हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक 12 जनवरी, 2018 को अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल की अध्यक्षता में विधान सभा भवन, तपोवन, धर्मशाला -176215 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

12.01.2018/1100/केएस/वाईके/1

अध्यक्षः आज विश्व के महान सन्त स्वामी विवेकानन्द जी का जन्म दिवस है। दुनिया को भारतीय संस्कृति से ओर भारतीय संस्कृति का प्रकाश दुनिया में पहुंचाने वाले ऐसे महान व्यक्तित्व जिनकी प्रेरणा ले कर हमारा देश आजादी के लिए आगे बढ़ा, ऐसे महान सन्त विश्व गुरू की संज्ञा जिनको दी जा सकती है, आज उनका जन्म दिवस है । इस अवसर पर हम सदन में उपस्थित सभी प्रदेशवासियों को उनके जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई देते हैं। अभी सदन के ही एक कक्ष में उनको माननीय सदन के नेता, माननीय नेता, कांग्रेस विधायक दल व अन्य सभी सदस्यों ने पुष्पांजलि दी है।

अब महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर आगे चर्चा होगी तथा चर्चा उपरान्त माननीय मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर देंगें। जैसा कि कल सांयकाल निर्धारित किया गया था कि एक घण्टा यानि 11.00 बजे से 12.00 बजे तक माननीय सदस्यगण अपना विषय रखेंगें और 12.00 बजे सदन के नेता, माननीय मुख्य मंत्री जी उसका उत्तर देंगे। ऐसी स्थिति में मेरे पास जो नाम आए हैं, वे अनेक हैं। मैं क्रमबद्ध तरीके से उनको बुलाऊंगा । आशा करता हूं कि अगर 10 मिनट में अपनी बात कहेंगें तो 6 सदस्य बोल सकेंगे। अगर 15 मिनट में कहेंगे तो चार लोग बोल सकेंगें। सबसे पहले मैं माननीय श्री रमेश चन्द ध्वाला जी को अपनी बात रखने के लिए आमंत्रित करता हूं।

12.01.2018/1100/केएस/वाईके/2

श्री रमेश चन्द ध्वाला : माननीय अध्यक्ष जी, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिए खड़ा हुआ हूं । सबसे पहले मैं इस नव वर्ष की, लोहड़ी पर्व की आपके माध्यम से हम सभी की तरफ से हिमाचल प्रदेश की जनता को बधाई देता हूं। हमारे प्रदेश में डॉ0 यशवन्त सिंह परमार जी, आदरणीय वीरभद्र सिंह जी, आदरणीय शान्ता कुमार जी तथा प्रेम कुमार धूमल जी मुख्य मंत्री रहे और इस प्रदेश का विकास हुआ लेकिन आज मुझे एक नया सा देखने को मिल रहा है। हमारे बीच एक गरीब परिवार से सम्बन्ध रखने वाले माननीय श्री जय राम जी मुख्य मंत्री पद पर विराजमान हैं। माननीय वीरभद्र जी को भी मैं सलाम करता हूं। ये वाकई मार्शल हैं। बड़े-बड़े धुरन्धर हार गए। राजनीति में कोई पता नहीं लगता । यह जनता के हाथ का फैसला है। माननीय वीरभद्र सिंह जी खुद भी जीते और इनका बेटा भी जीता लेकिन मैं यह जो टीका-टिप्पणि एक-दूसरे पर जो कीचड़ फेंका जा रहा है, इसको जनता बर्दाश्त करने वाली नहीं है।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी----

12.1.2018/1105/av/yk/1

श्री रमेश चन्द ध्वाला ----- जारी

जनता का फैसला सर्वमान्य है। मैं कल लंच तक सभी को सुनता रहा लेकिन मैं अपने विरोधी दल से यह निवेदन करूंगा कि अगर आपका रचनात्मक सहयोग होगा तो इस प्रदेश को हम बुलन्दियों पर ले जायेंगे। मेरे मित्रों ने यहां पर कहा कि आज फाइनैंशियल क्राइसिस हैं, कर्जा है, रिसोर्सिस बढ़ाने की जरुरत है और फिज़ूलखर्ची के ऊपर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे दोस्तों ने गलती तो की है और उस गलती का अहसास आम जनता के साथ-साथ हमें भी है। मुझे चर्चा के दौरान कुछ लोग कह रहे थे कि आप स्कूलों को बंद कर दो, ऐसी मानसिकता गलत है। मैं यह कहने जा रहा हूं कि एक बच्चे के लिए भी स्कूल अपग्रेड हुआ, दो बच्चों के लिए स्कूल

अपग्रेड हुए, चार बच्चों के लिए स्कूल अपग्रेड हुए। उन स्कूलों में चार बच्चे और चार ही टीचर, तीन बच्चे और तीन ही टीचर, जहां 50 बच्चे वहां पर भी तीन टीचर; यह कौन सा क्राइटीरिया है? जहां जरुरत है वहां पर स्कूल अपग्रेड भी होने चाहिए और इनफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए क्योंकि education is backbone of every country. उस एजुकेशन का इतना बुरा हाल है कि प्राइमरी स्कूलों में कालेज खोल दिए। आज टैक्निकल / वोकेशनल एजुकेशन का युग है। लेकिन एक फर्लांग पर दो-दो, तीन-तीन स्कूल खोल दिए और रेवड़ियों की तरह स्कूल बांटे गए। आज सरकारी स्कूल के पांचवी कक्षा तक के बच्चे को सौ तक गिनती नहीं आती। आप उसको खड़ा करके उसका आई.क्यू. चैक कर सकते हैं। इसलिए आज एजुकेशन को स्ट्रैन्थन करने की जरुरत है। यहां पर कह रहे थे कि बंद कर दो। हम बंद नहीं करेंगे, हमने इस बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी को सुझाव भी दिया है, इसके बारे में कोई नीति बनाई जायेगी। मेरे चुनाव क्षेत्र में लगभग 12 माध्यमिक स्कूल ऐसे हैं जहां 8 से कम बच्चे हैं। 19 बच्चों के स्कूल को हाई स्कूल कर दिया गया है। हमारी सरकार इन सारी चीजों पर विचार

12.1.2018/1105/av/yk/2

करेगी तथा हम इसको स्ट्रैन्थन करने का प्रयास करेंगे। इन स्कूलों में अध्यापकों की 250 लाख रुपये तक सैलरी जा रही है और वहां केवल तीन बच्चे पढ़ रहे हैं; हिसाब लगाइए उस स्कूल का एक बच्चा कितने में पड़ रहा है। हमारा यह सुझाव रहेगा कि वहां से गाड़ी लगाकर के उन बच्चों को किसी सैंटर में पड़ने वाले स्कूल में भेजा जाना चाहिए ताकि व्यवस्था ठीक हो सके। यह ठीक है कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ पहले भी थे और भविष्य में भी रहेंगे। यहां पर सड़कों की इतनी बुरी हालत है कि सड़कों में गड्ढे-ही-गड्ढे पड़े हुए हैं। मैं अपने अधिकारीगण से भी निवेदन करूंगा क्योंकि हमारे बडे ईमानदार अधिकारी हैं

श्री वर्मा द्वारा जारी

12-01-2018/1110/टीसीवी/एजी/1

श्री रमेश चन्द ध्वाला.....जारी

लेकिन बेईमानों की भी कमी नहीं है। ये सारी बातें आपके सामने आएगी। डेमोक्रेसी में अगर थोड़ा-बहुत शहद हाथों में लग जाये, हम तो उसमें भी विश्वास नहीं करते हैं लेकिन अगर लग जाये और उसको चाट लिया जाये तो इतना तो चल सकता है। परन्तु जिन्होंने छत्ता भी खा लिया, मक्खियां भी खा ली और शहद भी खा लिया है, उनका क्या बनेगा? आज प्रदेश की इतनी बुरी हालत है, आज सैलरी देने के लिए पैसे नहीं है। इसलिए मैं यह कहूंगा कि सड़कें जो खड्डे बनी है, ये किन कारणों से इतना घटिया काम हो रहा है? यहां से आदेश दिए गए कि बड़े-बड़े डम्परों से बज़री लाई जाये, 70-70 किलोमीटर दूर से बजरी लाने पर उसका टैंपरेचर खत्म हो जाता है और उस तारकोल की जो क्वालिटी है, वह भी निम्न स्तर की है। इसलिए ये सारी बातें देखनी पड़गी और रात के 12.00 बज़े सड़कों में बज़री डाली जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि दो महीने पहले जिन सड़कों में बज़री डाली गई थी, वह आज खड्ड बन गई है। उस ठेकेदार को कोई पेमेंट न की जाये, वह चाहे किसी का भी हितैषी या नजदीकी हों। हम सभी इस समाज में आये हैं और यहां से चले जाएंगे। जो इस समाज में छाप छोड़कर चला जाएगा people will appreciate his betterment. ऐसा अगर होगा तो श्री राकेश सिंघा जी ठीक कह रहे थे, एक तरफ जितनी हमें सैलरी मिल रही है, उससे हमें संतुष्टि हो ही नहीं सकती है। ये वॉटर गार्ड की बात कर रहे थे। उनको 1500 रुपये दिया जा रहा है और 9 महीने उनको वेतन दिए हुए हो गये हैं। वे कैसे अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे होंगे। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहूंगा कि हिमाचल प्रदेश में ईमानदार, मिलनसार मुख्य मंत्री बने हैं। हम इनको पूरा सहयोग/समर्थन देंगे। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, मैं अब रिसोर्सिज़ के बारे में बताने जा रहा हूं। हम श्री वीरभद्र सिंह जी के भी धन्यवादी हैं

कि इन्होंने भी प्रयास किए होंगे। आज हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा, सिरमौर और चम्बा में बहुत ज्यादा खैर है, लेकिन उस सरकारी खैर को चोर/वन काटू लगे हुए हैं। इसके बारे में यहां से प्रपोजल गई हुई है लेकिन वह अंडर कंसीड्रेशन है और

12-01-2018/1110/टीसीवी/एजी/2

उसमें कहा गया है कि जिस तरीके से फॉलिंग ऑर्डर मिलते हैं, उसके साथ-साथ ये सरकारी खैर भी काटे जाएंगे। उससे हिमाचल प्रदेश को करोड़ों में आमदन होगी। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि इसमें इनसैंटिव लेकर काम किया जाये। जिससे हमारे हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुधर सकती है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य कृपया वॉईंडअप कीजिए।

श्री रमेश चंद ध्वालाः अध्यक्ष महोदय, मैं 2-3 सुझाव देना चाहूंगा। ये जो काम हैं ये टॉप प्रायोरिटी में होना चाहिए। ताकि हमारी आर्थिक स्थिति सुदृड़ हो सकें। सैंटर गवर्नमैंट से कमेटी आई थी which has decided कि माननीय सदस्य श्री राम लाल जी के क्षेत्र में चीड़ और हमारे क्षेत्र कांगड़ा में खैर काटने के आदेश मिल सकते है।

एन0एस0 .... द्वारा जारी।

12.01.2018/1115/NS/AG/1

श्री रमेश चंद ध्वाला.....जारी।

वे अंडर कंसीडरेशन है। इसके अलावा आज ये युवा हमारे नारे लगा रहे थे कल को आपके लगाएंगे। अगर हमने इनको कोई काम-धंधा नहीं दिया तो कल को ये नारे किसी के भी लग सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं गुजरात में गया था और वहां पर मैंने सौर ऊर्जा का बहुत अच्छा कन्सैप्ट देखा। वहां पर सौर ऊर्जा से बिजली तैयार की जा रही है। सौर ऊर्जा का 10 मेगावाट का कन्सैप्ट लगभग 4-5 करोड़ रुपये में लगेगा। अगर हमें कोई हाईडल प्रोजैक्ट लगाना होगा तो उसका 100 करोड़ रुपये खर्चा आता है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर सारा वातावरण ठीक है। पहले बरसात 100 दिन की होती थी लेकिन अब एक महीने की बरसात हो रही है। जो मैंने वहां पर देखा वह मैंने आपको बताया। किसी भी सरकार का विज़न होना चाहिए और हमारी सरकार का विज़न है तथा हम इसमें प्रयास करेंगे। मैंने गुजरात में देखा कि सड़क का जो पानी है वहां पर कुएं और तालाब बना करके लोगों के खेतों तक ड्रिप इरिगेशन हो रही है। वहां पर सौर ऊर्जा के माध्यम से ड्रिप इरिगेशन हो रही है। वहां के किसान बहुत खुशहाल हैं। अगर आपने एनर्जी को स्टोर करके रखना है तो उसमें खर्चा ज्यादा आता है। (घण्टी) लेकिन अगर आप उस पानी को खेतों में इरिगेशन के लिए लगाना चाहते हैं तो बिजली को इक्ट्ठा करने की कोई जरूरत नहीं है। वहां पर अपने आप खेतों की सिंचाई हो रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैंने वहां पर दूध के डेरीफार्म को देखा। पूर्व सरकार के माननीय मुख्य मंत्री जी कहते रहे लेकिन इन्होंने उसको यहां पर इम्पलीमैंट नहीं किया। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि मुद्रा योजना के तहत इस पर ज्यादा फोकस किया जाए ताकि युवाओं को रोज़गार मिले। आज करोड़ों रुपयों का दूध बाहर से आ रहा है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य एक मिनट। ऐसा है 60 मिनट में मेरे पास चार और व़क्ता बोलने वाले हैं।

श्री रमेश चंद ध्वालाः अध्यक्ष महोदय, मैं एक और सुझाव देना चाहता हूं अगर आप सुनना चाहते हैं तो ठीक है। मैं एक सुझाव यह देना चाहता हूं कि यहां पर गलती तो हुई

है। You have done mistake because मैंने वहां पर देखा कि जड़ी -बूटियों का इतना विस्तार हो रहा है।

12.01.2018/1115/NS/AG/2

ऐसी-ऐसी जड़ी -बूटियां हमारे जंगलों में हैं जिनकी कीमत 12,000 रुपये किलो है। उसकी आईडैंटिफिकेशन करवानी चाहिए। किसी डॉक्टर या विशेषज्ञ को बुला करके उसकी आईडैंटिफिकेशन करवानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पुलिस भांग को उखाड़ने में लगी हुई थी। मैं यहां पर किसी को टारगेट नहीं करना चाहता हूं। लेकिन यहां पर कुछ लोगों ने 10-10 ग्राम के चालान करके युवाओं के ऊपर केस बनाये हैं। मेरे हिसाब से अगर उनको ऐसे ही समझाते तो वे समझ जाते। अगर एक बार बच्चा पुलिस चौकी में पहुंच जाए तो उसको शर्म नाम की कोई चीज़ नहीं रहती है। अध्यक्ष महोदय, मैं अभी राजस्थान में देख कर आया हूं कि भांग की 12 दवाईयां बनती हैं। हम अगर जड़ी-बूटियों से आधारित खेती करेंगे तो मतलब ही नहीं है कि हमारे युवाओं को रोज़गार न मिले। मैं समझता हूं कि ऐसा विज़न इस सरकार का होगा। हर खेत तक पानी पहुंचेगा और हर बेरोज़गार को रोज़गार दिलाने का प्रयास किया जाएगा। हमारे अंदर जो विज़न है हम उसको लोगों को बताएंगे। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, बातें तो बहुत थीं लेकिन समय का अभाव है। मैं आप सभी की तरफ से फिर से धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष जी, जो-जो मैंने सुझाव दिये हैं इनके ऊपर माननीय मुख्य मंत्री जी एक कमेटी बनायें और कमेटी निर्णय लेगी कि कौन-कौन से काम कहां हो सकते हैं? तब जा करके इस हिमाचल प्रदेश की गरीबी दूर होगी। आज गरीब हमारी तरफ देख रहा है। वह मुख्य मंत्री की तरफ देख रहा है।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

12.01.2018/1120/RKS/DC/1

श्री रमेश चंद ध्वाला... जारी

वह हमारे पास आ रहा है कि हमारी मदद कीजिए। अगर हमारे पासं संसाधन ही नहीं होंगे तो हम कैसे मदद करेंगे? हम इसके लिए लिए संसधान ढूंढेंगे और हिमाचल प्रदेश को अपने पैरों पर खड़ा करेंगे। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और वहां से तो हमें एग्रीकल्चर और मुद्रा योजना में काफी पैसा मिलेगा ही।

अध्यक्षः माननीय सदस्य आप वाइंड-अप कीजिए। कृपया वाइंड-अप करें। प्लीज-प्लीज। मैं अगले वक्ता का नाम ले रहा हूं।

श्री रमेश चंद ध्वालाः मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य श्री राम लाल ठाकुर जी चर्चा में भाग लेंगे।

12.01.2018/1120/RKS/DC/2

श्री राम लाल ठाकुरः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को मुख्य मंत्री और आपको हिमाचल प्रदेश विधान सभा का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। अध्यक्ष जी, आज आपका जन्म दिन भी है और उसकी भी मैं आपको मुबारिकवाद देता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो 10 तारीख को इस माननीय सदन में अभिभिषाण दिया है, उस पर श्री राकेश पठानिया जी का धन्यवाद प्रस्ताव और भाई इन्द्र सिंह जी का समर्थन है। वहां से चर्चा शुरू हुई। घुमते-घुमते चर्चा पक्ष-विपक्ष में होते हुए कृपाल परमार तक पहुंची। सभी बिन्दुओं पर सभी ने अपने विचार रखे और मैं भी उसी परिधि में अपनी बात आपके समुख रखना चाहता हूं। जो अभिभाषण यहां पर रखा गया है वह अंग्रेजी में साढ़े 7 पेज का और हिन्दी में शायद इसके 2-3 पेज़ ज्यादा होंगे। प्रदेश की सरकार ने जो डाक्यूमैंट बनाया है वह इस विधान सभा का

पहला माननीय राज्यपाल का अभिभाषण है। उस अभिभाषण में आगे के लिए किस प्रकार का रास्ता तैयार करना है, कहां-कहां पर प्रायोरिटीज बननी है, आपको क्या करना है, उसके बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि यह गौण स्थिति का डाक्यूमैंट है। अच्छा होता थोड़ा समय लगाकर इस पर विस्तृत तौर में चर्चा होती। कुछ बिन्दुओं के ऊपर सरकार आने वाले समय में किस प्रकार से काम करेगी इस प्रकार का यह डाक्यूमैंट होना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, राजा वीरभद्र सिंह जी को छोड़कर ज्यादातर माननीय सदस्य जो इस माननीय सदन में आए हैं वे मेरी तरह स्वतंत्र भारत में पैदा हुए हैं। राजा वीरभद्र सिंह जी ने पहले का समय भी देखा है और आज का समय भी देखा है। अधिकारी दीर्घा में जो हमारे अधिकारीगण बैठे हैं वे भी स्वतंत्र भारत की पैदाइश है। इनमें भी पुराने लोग काफी कम हैं। मेरा आपसे एक निवेदन है और कहना भी है कि जिस परिवार में कोई बुजुर्ग होता है वह अपने बच्चों को अपने वृद्ध होने के बारे में बताता है। अपनी रिश्तेदारी और सामाजिक संबंधों के बारे में बताता है कि हमने आगे को क्या करना है। बुजुर्ग चला जाएगा तो नौजवान सामाजिक तौर पर कहां खड़ा होगा। आपस में जो संबंध हैं उनको कैसे अच्छा रखना है। लेकिन आज की तारीख में ऐसा लग रहा है कि जो भी सदस्य बोल रहे हैं वे स्वर्णिम भविष्य की बात कर रहे हैं। महामहिम राज्यपाल महोदय, ने अपने अभिभाषण में कहा कि पहली बार हिमाचल प्रदेश में नौजवान मुख्य मंत्री आए हैं। भारतीय जनता पार्टी की जब-जब सरकार बनती है तो सब काम पहली बार ही होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से भी माफी चाहूंगा, माननीय मुख्य मंत्री जी की आयु

12.01.2018/1120/RKS/DC/3

रिकॉर्ड के मुताबिक 53 वर्ष है। मैं यह कहना चाहूंगा कि जिन्होंने यह डाक्यूमैंट बनाया, आपने कभी यह देखा कि माननीय वीरभद्र सिंह जी सन् 1983 में मुख्य मंत्री बनें थे। उस समय उनकी आयु 49 वर्ष की थी। आज आप कह रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश में एक नौजवान मुख्य मंत्री और नौजवान मंत्रिमंडल आया है।

श्री0 बी0 एस0 द्वारा जारी...

12-01-2018/1125/बी. एस./डी.सी.-1

श्री राम लाल ठाकुर द्वारा जारी....

इसलिए मैं कहना चाहूंगा, थोड़ा पीछे को देखते हुए आगे की ओर अपनी दृष्टि दौड़ानी चाहिए। यहां पर हम सारी बातें कह रहे हैं। एक माननीय सदस्य ने तो यहां तक कहा कि हमने प्रजातंत्र में कदम रखा है । हिमाचल प्रदेश परिवेश में आया है, ज्यादातर काग्रेस पार्टी सत्ता में रही और बाकी दलों को चाहे वह जनता पार्टी हो या भारतीय जनता जार्टी हो उनको सत्ता में रहने का ज्यादा समय नहीं मिला है। मैं आप ही से पूछना चाहूंगा। जो स्कूलों की बात कर रहे हैं, जो सड़कों की बात कर रहे हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं की बात कर रहे हैं। मैं तो यह कहना चाहूंगा कि जो सर्वांगीण विकास की बात करना चाहते हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश ने कहां से चलना शुरू किया था। हिमाचल प्रदेश में कितनी सड़के होती थीं, हिमाचल प्रदेश के कितने गांव में पीने का पानी होता था तथा कितने गांव में बिजली होती थी। आज बिजली जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंच चुकि है। लेकिन स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले बिजली कहां पर थी। हमारा प्रजातंत्र का रास्ता बहुत झाड़-झुंखाड़ से होता हुआ जाता है। स्वर्गीय श्री वाई.एस. परमार जी के नेतृत्व में हमने यह कदम रखा और आज हम कहने के लिए इस योग्य हुए हैं । पिछली बातों को हम भूल रहे हैं। आगे के लिए हम स्वर्णिम भविष्य की बात कर रहे है। मेरा आपसे निवेदन है कि आप थोड़ा पीछे की ओर भी देखें। यहां पर

एक साथी ने कहा कि 90-10 प्रतिशत के रेशो में केन्द्रीय सरकार पैसा देती है। मैं आप ही से पूछना चाहता हूं और जो अधिकारी यहां बैठे हैं उनके सामने भी यह बात है कि हिमाचल प्रदेश जब अस्तित्व में आया तो पहला आपका एनुअल प्लान था वह कितना था। It was less than one crore rupees. आज हम कहां पर पहुंचे हैं? मैं आपसे यह भी कहना चाहता हूं कि आप पीछे भी देखें। जब हिमाचल प्रदेश ने आगे बड़ना शुरू किया था। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि जब स्टेट हुड की बात आई थी, आदरणी पंडित जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी जी के आर्शीवाद से स्टेट हुड हिमाचल प्रदेश को मिला। हमारे हिमाचल प्रदेश के यहीं के लोग थे जो पालमपुर से जालंधर में नहीं पहुंच जाते थे, अखबारों में बयान नहीं दे देते थे, वे नास्ता नहीं करते थे। उस समय नारा लगा "स्टेट हुड मारो ढुड" ये भी तो हमारे परिवार के लोगों ने किया। मैं आपसे ये भी

12-01-2018/1125/बी. एस./डी.सी.-2

कहना चाहता हूं कि जब बैंको का राष्ट्रीयकरण हुआ तो इसका विरोध हुआ। अगर भूमि सुधार कोनून लगू हुए तो भी यहां से झंडा लेकर उसका विरोध हुआ। आज की तारीख में जो 90-10 प्रतिशत की रेशो की बात करते हैं उनको 1971 नहीं भूलना चाहिए। 1971 में हिमाचल पदेश भारत का 18वां राज्य बना । इंदिरा गांधी जी शिमला के रिज मैदान पर आई थी। उन्होंने हिमाचल प्रदेश को विशेष राज्य की केटगरी में रखा। जिसमें छोटे राज्यों 90 प्रतिशत ग्रांट इन एड केन्द्र सरकार देती थी और 10 प्रतिशत सॉफ्ट लोन था। वह भी हमने कभी अदा नहीं किया। It was hundred percent grant-in -aid given by the Central Government. लेकिन बीच में क्या हुआ? सत्ता परिर्वतन के बाद एग्रीकल्चर, हॉल्टिकल्चर में 50- 50 प्रतिशत कट लगा। कहीं पर जो केन्द्रसरकार की स्कीमें थी। उनके ऊपर पूर्णविराम लग गया। ग्रामीण विद्युतिकरण को डेढ़ साल तक बंद रखा गया। क्योंकि उसका नाम चेंज करना था। जो योजनाएं राजीव गांधी जी के नाम से

चलाई गई थीं उनका नाम बदलने के लिए सवा साल तक दीनदयाल उपाध्याय जी के आने में लग गए और फिर कह रहें है कि हम हिमाचल प्रदेश को बड़ा कुछ दे रहे है।

श्री डी.टी.द्वारा जारी.....

12.01.2018/1130/DT/HK/1

श्री राम लाल ठाकुर... जारी

माननीय अध्यक्ष महोदय, हम को पीछे भी देखना चाहिए कि हिमाचल प्रदेश ने कहां से चलना शुरू किया । कितनी हमारी शिक्षा होती थी। मैट्रिक करने के लिए लाहौर जाना पड़ता था, बी. ए. करने के लिए लाहौर जाना पड़ता था। मण्डी को छोड़ कर शायद एक आधी जगह और होगी जहां डिग्री कोलेज था। लेकिन हमारे बिलासपुर में तो राजा आनंद चन्द जी के समय में एक इंटरमिडिएट कोलेज था। वहां पर बारहवीं तक की शिक्षा होती थी। आज आप के हर पंचायत के अन्दर इंटरमिडिएट कोलेज हैं। आप कह रहे हैं उस में कमियां है लेकिन मैं आप से यह भी कहना चाहूंगा कि जितना शिक्षा का विस्तार हुआ, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है। हमारे लॉ एड ऑर्डर की स्थिति की बात वर्ल्ड बैंक की टीम शिमला में आकर कर गई। अभी आप की सरकार में जो मंत्री थे उन्होने हिमाचल प्रदेश को पुरस्कृत किया। मैं यह कहना चाहूंगा कि ये आंकड़े हमारे नहीं है। आप कहे रहे हैं कि हिमाचल सरकार ने पिछले पांच वर्षों में कुछ नहीं किया। जीरो परफोरमेंस थी परन्तु अपनी ही सरकार के जिन्होने दिल्ली में सारे आंकड़े सामने रखे बीस सुत्रीय कार्यक्रम को लागू करने लिए हिमाचल प्रदेश को 'ए' केटेगिरी में रखा और पूरे भारतवर्ष में यदि हम खड़े हुए है तो मैं यह कहना चाहता हूं कि यह हमारे कर्मचारी, राजनीतिज्ञ की एक सोच थी। उसके मुताबिक यह सारा कुछ हुआ। यह कह देना कि पिछले पांच सालों में कुछ नहीं हुआ और सब कुछ टेढ़ा-ही-टेढ़ा नजर आ रहा है । मेरा आपसे निवेदन है कि हम इन सारी बातों का ध्यान रखें। कल माननीय स्वास्थ्य

मंत्री जी ने एक बात कही थी। उन्होंने कहा कि आज गरिबों को मुख्य मंत्री राहत कोष का पैसा देने के लिए पैसा नहीं हैं। परमार साहब आप तो सरकार में हैं अधिकारी आप के हैं। आप उन को इतना पूछ लेते की पांच वर्षो में मुख्य मंत्री राहत कोष से कितना पैस बांटा। 62 करोड़ रुपये पांच सालों में बांटा।

अध्यक्ष महोदय, पांच वर्षो में भारतीय जनता पार्टी के समय में कितना पैसा मुख्यमंत्री राहत कोष में आया। 24 करोड़ रूपये। अध्यक्ष महोदय मैं आप से कहना चाहता हूँ जो मुख्यमंत्री राहत कोष में पैसा आता है वे कुछ प्राइवेट लोग भी देते है। कुछ हमारे लोग जो मुख्य मंत्री राहत कोष मै पैसा देते हैं वे इसलिए देते हैं कि यह पैसा गरिबों को

12.01.2018/1130/DT/HK/2

जाएगा। मैं यह आप से कहना चाहता हूं। आप रिकॉर्ड उठा लीजिए । आप इंदिरा गांधी मैडिकल कॉलेज का रिकॉर्ड उठाएं। आप पी.जी.आई का रिकॉर्ड उठा ले। आप ऑल इंडिया मैडिकल संस्थान का रिकॉर्ड उठा लें। कितने ऐसे बच्चे थे जिनका सारे- का-सारा खर्चा मुख्यमंत्री राहत कोष से दिया गया क्योंकि जो कम उम्र के बच्चे थे उनके स्वास्थ्य को देखना हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री की पहली प्राथमिकता रही। मैं इतना कह सकता हुं कि ये जो पैसा बंटा है अंडर पॉवरटी जो लोग है ,आई.आर. डी.पी. परिवार है जिनकी 30 हजार से निचे इंकम थी उन बी.पी.एल. परिवारों को यह पैसा मिला है। मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगा माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के पास अब यह सरकार आई है तो आज की तारीख में 20 लाख रुपये की एफ.डी.आर. इनके पास है। आज की तारीख में मैं यह कहना चाहता हूं कि 70 लाख खजाने में, मुख्य मंत्री राहत कोष में पड़ा है। कुछ केस सैंक्शन हुए हैं। कुछ केस ऐसे हैं जो सैंक्शन होने को बाकी हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि कृपया करके इन सारी बातों को देखें । आपने कितन पैसा छोड़ा था, डेढ़ लाख रुपये । डेढ़ लाख रुपये भारतीय जनता पार्टी की

सरकार ने छोड़ा था। जब वीरभद्र सिंह जी को सत्ता सौंपी तो डेढ़ लाख रुपये मुख्य मंत्री राहत कोष में था। उसमें भी आप विवाद करते हैं। वयवधान.... 70 लाख और 20 लाख रुपये फिक्स डिपोजिट में है।

श्री एस0एल0 एस0 द्वारा जारी

12.01.2018/1135/SLS-HK-1

श्री राम लाल ठाकुर .....क्रमागत

अब अगर आप यह बोल रहे हैं तो मैं भी तो किसी रिकॉर्ड के मुताबिक ही बोल रहा हूं। मेरा आपसे निवेदन है कि कृपया इन सारी बातों का ध्यान रखें। ऐसा न कह दें कि सृष्टि की रचना भी हमने ही कर रखी है। यह धरती और आसमान बड़े पहले से हैं; ये ग्रह और उपग्रह भी पहले से हैं। इसलिए कृपा करके पहले हुई बातों का भी आप लोग ध्यान रखें। मैं एक बात आपसे और पूछना चाहता हूं। ...(व्यवधान)... मैं यही कह रहा हूं कि पीछे हुई बातों का भी ध्यान रखें। क्या आपके दादा थे या नहीं थे? ...(व्यवधान)...कृपया मेरी बातें सुन लें, फिर आपको इनका अर्थ भी समझ में आ जाएगा।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया आपस में बात न करें।...(व्यवधान)...

श्री राम लाल ठाकुरः मुझे अपने रास्ते से भटकाने का आप प्रयास न करें। क्या कोई आपका दादा था या नहीं था? क्या कोई आपके पड़दादा था या नहीं था? क्या वह आपने देखे हैं? इसलिए कृपया संयम रखें। मैं आपसे यही कहना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, ये स्वर्णिम हिमाचल के दृष्टिपत्र की बात कर रहे हैं। इसका ज़िक्र भी माननीय राज्यपाल महोदय ने किया। मैं आपसे यही कहना चाहता हूं कि जो माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा है, उसमें उन्होंने कानून-व्यवस्था की बात भी कही है। आप लोगों ने भी कहा और मुख्य मंत्री जी ने भी कहा कि there will be zero

tolerance against corruption. माननीय मुख्य मंत्री जी, अगर हम ज़ीरो टौलरैंस की बात करते हैं तो मैं बताना चाहूंगा कि जब यह सरकार आई तो आपने पहले ही दिन से कहना शुरू कर दिया था कि पहले जो अधिकारी काम कर रहे थे वह नकारे हुए थे। कुछ लोग ऐसे थे जिनको खुड्डे लाइन लगाया हुआ था। यह मैं नहीं कह रहा हूं, अख़बारों में आया है।...(व्यवधान)...आप मेरी बात को सुन तो लो।...(व्यवधान)...जो अंदर हैं वह और भी अंदर हो जाएंगे, आप मेरी यह बात भी सुन लो।

12.01.2018/1135/SLS-HK-2

अध्यक्षः माननीय ठाकुर साहब, कृपया वाइंड अप करें।

श्री राम लाल ठाकुरः माननीय अध्यक्ष महोदय, बाकी लोगों ने आधा-आधा घंटा बोला है। मुझे भी 15-20 मिनट तो दे दीजिए।

अध्यक्षः आपके 16-17 मिनट हो गए हैं। इसलिए अब आप 3 मिनट में वाइंड अप कीजिए।

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, मैं वाइंड अप कर रहा हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि zero tolerance against corruption की जहां तक बात है, यहां पर ध्वाला साहब ने कहा कि हम करप्शन के ख़िलाफ़ लड़ेंगे। जो खैर कटान हुआ है, उसके ख़िलाफ़ कार्रवाई करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो युगलबंदी में काम करते हैं, उनके ख़िलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं होती। हमारी भी सरकार रही है। आपके लोग युगलबंदी में पेड़ काटते रहे हैं। हमारे भी कुछ लोग ऐसे होंगे जो इस काम को युगलबंदी में कर रहे हैं। लेकिन इसका कारण क्या है। बिलासपुर में जो हमारा वैटरिनरी का संस्थान है, वहां पर लाखों रुपये के पेड़ कटे। यह अख़बारों में भी आया। उसके बाद जब जांच हुई तो मुंशी-मुसद्दियों को पकड़ा गया। जब मुख्य मुज़रिम को

पकड़ने की बात आई तो जैसे मैंने कहा कि यह ज्वायंट वैंचर था ...(व्यवधान)...उसमें भारतीय जनता पार्टी का जनरल सैक्रेटरी भी शामिल है; मुझसे मत बुलवाओ। आपके सारे लोग एकत्र होकर गए कि जनाब इसको न पकड़ें, हम ऐंटिसिपेटरी बेल ले लेंगे। तब आपकी ज़ीरो टौलरैंस कहां गई? माननीय मुख्य मंत्री जी, आज की अख़बार में भी आया है कि शिमला में किसी राजनीतिज्ञ के ऊपर एफ.आइ.आर. दर्ज़ हुई है। It is a non-bailable offence. अब आप बताएं कि आप कहां-कहां रोकेंगे? मैं आगे की बात कर रहा हूं। मैं आज और पिछले कल की बात कर रहा हूं। माननीय मुख्य मंत्री जी, मैं आपसे कहना चाहूंगा कि जहां तक ज़ीरो टौलरैंस की बात है, आपने तो कहा कि जो बुके भी देते हैं, उससे भी सरकारी ख़जाने पर बोझ पड़ता है। लेकिन जब आपका पहला टुअर हुआ, वह आपने

12.01.2018/1135/SLS-HK-3

घणाहट्टी से शुरू किया। उसके बाद आप बिलासपुर पहुंचे। फिर आप मण्डी गए। आपका जो कार्यक्रम था, वह राजनीतिक कार्यक्रम था। आपके मंडल स्तर के लोगों ने वहां आपका स्वागत किया और खाने इत्यादि का इंतज़ाम किया। लेकिन आप मुझे यह बताएं कि जो तोरणद्वार लगे, उनका सारा इंतजाम आइ.पी.एच. और पी. डब्ल्यु.डी. के कर्मचारियों ने किया।...(व्यवधान)...

जारी...गर्ग जी

12/01/2018/1140/RG/YK/1

श्री राम लाल ठाकुर-----क्रमागत

मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मेरे पास फोटोग्राफ्स पड़े हुए हैं। मैं फिर कहना चाहूंगा। --(व्यवधान)----तो यह आपका जीरो टॉलरैन्स कहां गया?

अध्यक्ष : ठाकुर साहब, आप कृपया एक मिनट के लिए बैठ जाएं। माननीय मुख्य मंत्री जी बोलना चाह रहे हैं। आप बैठ जाएं। माननीय राम लाल ठाकुर जी, माननीय मुख्य मंत्री जी बोलना चाह रहे हैं, आप बैठिए।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य दस वर्षों के पश्चात इस सदन में आए हैं, आप आए हैं आपका स्वागत है। अध्यक्ष महोदय, मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि थोड़ा सब्र और संयम रखिए। मुख्य मंत्री बनने के पश्चात मैं सरकारी प्रवास पर गया था, वह पार्टी का कार्यक्रम नहीं था और बतौर मुख्य मंत्री मैं पूरे हिमाचल प्रदेश में सब जगह जाने वाला हूं और उसमें मेरे स्वागत में मेरी पार्टी के लोग भी होंगे। मैं विपक्ष के लोगों का भी उसमें स्वागत करुंगा कि वे भी आएं। उसके साथ-साथ विभागीय अधिकारी या कर्मचारी खड़े होकर हमारा स्वागत या अभिनन्दन करने के लिए आते हैं, तो मुझे लगता है कि आपको इसमें इतनी परेशानी नहीं होनी चाहिए। आखिर आप क्या सन्देश देना चाह रहे हैं? क्या वे समाज का अंग नहीं हैं, क्या इस सरकार को चलाने में उनका कोई योगदान नहीं है? मैं पूरे प्रदेश का मुख्य मंत्री हूं। मैं किसी अधिकारी, कर्मचारी या किसी वर्ग विशेष का मुख्य मंत्री नहीं हूं। मैं आपसे इतना ही कहना चाहूता हूं कि कम-से-कम थोड़ा सब्र और संयम रखें। आपकी सरकार के दौरान क्या-क्या होता रहा और आपके मंत्रि-मण्डल में रहते हुए आपके समय में क्या होता रहा है यदि आप उन बातों का जिक्र करेंगे, तो बात बहुत पीछे तक जाएगी।

अध्यक्ष : माननीय श्री राम लाल ठाकुर जी, कृपया दो मिनट में वाइन्ड अप करें।

श्री राम लाल ठाकुर : दो मिनट तो इन्होंने खा लिए, तो कैसे वाइन्ड अप करुंगा?

अध्यक्ष : मैं आपके दो मिनट अलग से दे रहा हूं। 'खा लिए' का क्या मतलब है? 'खा लिए' का कोई अर्थ नहीं है। शब्दों का ठीक से उपयोग करें।

12/01/2018/1140/RG/YK/2

श्री राम लाल ठाकुर : माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुनिए, माननीय मुख्य मंत्री जी भी सुनें। जो इनका प्रवास कार्यक्रम है, उसकी कॉपी मेरे पास है। जैसा आपने कहा कि यह मेरी पार्टी का कार्यक्रम नहीं था। माननीय मुख्य मंत्री जी जो आपका प्रवास कार्यक्रम निकला, उसमें सिवाय मण्डल के लोगों के और कोई कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश में आपका नहीं था मण्डी तक। अगर ऐसा नहीं है, तो मैं इसको सभा पटल पर रख देता हूं, यह आपका प्रवास कार्यक्रम है। यह मेरा तो नहीं है। जब आपने सिवाय भारतीय जनता पार्टी के लोगों को शामिल किए और कोई काम किया ही नहीं, तो फिर जीरो टॉलरेंस की क्या बात कर रहे हैं?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया वाइन्ड अप करें।

श्री राम लाल ठाकुर : माननीय अध्यक्ष महोदय, बहुत सारे बिंदु हैं जिन पर आज चर्चा करने का समय नहीं है। बजट सत्र में हर चीज पर विस्तार से चर्चा करेंगे। लेकिन मैं आपसे एक बात कहना चाहूंगा कि कृपा करके जो मैंने कहा है किस प्रकार से हिमाचल प्रदेश में आज कार्यक्रम चल रहे हैं और किस प्रकार से जो आप कह रहे हैं कि नहीं साहब भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस होगी। यहां पर दो माननीय सदस्य श्री किशन कपूर साहब जी और श्री रमेश ध्वाला जी हैं, बाकी लोग यहां नहीं है, कुछ विधायक यहां नहीं हैं। आप ही ने तो भ्रष्टाचार की बात की थी और बहुत अच्छा हुआ कि श्री महेन्द्र सिंह जी भी यहां हैं। इनसे आपको कितना प्यार था, वह डॉकुमेंट आज भी मेरे पास है। ध्वाला साहब 22 दिनों तक आपने अपनी सरकार के खिलाफ धरना दिया था।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया आप वाइन्ड अप करें। अब समय हो गया है और मैं अगले सदस्य को बोलने के लिए कहने वाला हूं।

श्री राम लाल ठाकुर : लेकिन बंगारू लक्ष्मण जी क्या हमारे प्रधान थे, जूदेव क्या हमारे थे? इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि ये सारी बातें हैं--(व्यवधान)---कपूर साहब आप चुप रहिए, आप तो हमारे ही साथ थे।

अध्यक्ष : कृपया बैठे-बैठे न बोलिए।

12/01/2018/1140/RG/YK/3

श्री राम लाल ठाकुर : आप तो मंत्री बन गए, लेकिन मैं आपको पीछे की याद दिला रहा हूं। -(घण्टी)-- इन्होंने 22 दिनों तक विधान सभा के बाहर धरना क्यों दिया था?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया वाइन्ड अप करें।

श्री राम लाल ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैं समाप्त कर रहा हूं। मैं कहना चाहूंगा कि सरकार की ओर से यहां जो पक्ष रखा जा रहा है उसकी कथनी और करनी में अन्तर है और राज्यपाल महोदय ने कुछ विषयों पर लीपापोती की है और यह डॉकुमेंट समर्थन करने के काबिल ही नहीं है। धन्यवाद।

--एम.एस. द्वारा अगले वक्ता शुरू

12/01/2018/1145/MS/YK/1

अध्यक्षः 12.00 बजे दोपहर माननीय मुख्य मंत्री जी ने उत्तर देना है। हमारे पास 15 मिनट का समय शेष है। अब मैं माननीय उद्योग मंत्री जी को चर्चा के लिए आमंत्रित करता हूं। मैं माननीय सदस्य से निवेदन करूंगा कि वे अपनी बात 10 मिनट में समाप्त करें और उसके बाद 10 मिनट श्रीमती आशा कुमारी जी को बोलने के लिए मिलेंगे। उसके बाद माननीय मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर देंगे।

उद्योग मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो चर्चा हो रही है, उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय, इस चर्चा में भारतीय जनता पार्टी के और कांग्रेस के मित्रों ने काफी पार्टिसिपेट किया है और माननीय अग्निहोत्री जी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें इस सदन के अंदर नई परम्पराओं को शुरू करना है और जो पीछे हो गया है उससे हटकर आगे चलना है। मुझे लगता है कि यह लैसन जो आप सभी को दे रहे हैं इसे सबसे पहले आप अपने विधायकों को दें। ये विधायक कौन सी बातें कर रहे हैं, कौन से गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं? अच्छा होगा अगर आने वाले समय में हमें क्या करना है उसकी तरफ आप ध्यान दें न कि आज से 20 साल पहले क्या हो गया उसकी बात करें। इन्होंने कहा कि नौजवान मुख्य मंत्री हैं। इससे पहले भी मुख्य मंत्री क्या नौजवान थे? जब हमने बुजुर्ग ही मुख्य मंत्री देखें हैं तो हम तो उनको बुजुर्ग ही बोलेंगे। आपने नौजवान देखे होंगे लेकिन जब हमने उनको बुजुर्ग देखा है तो हम उनको बुजुर्ग ही कहेंगे और उनके पैरों को हाथ लगाएंगे। इसलिए इस तरह के तर्क-वितर्क देकर जो असली बात है उससे ध्यान हटाना अच्छी बात नहीं है। यह कहा गया कि हमने बहुत काम किए हैं। आपने तो अपने कामों की गिनती गिना दी, सड़कों की गिनती गिना दी और आपने कहा कि बिजली पूरे प्रदेश में आ गई। उसके साथ-साथ जो आपने अपने कारनामें किए हैं, उनके बारे में भी चर्चा कीजिए। आज आप 12 नेशनल हाइवेज की बात करते हैं कि आजादी के बाद मात्र 12 नेशनल हाइवेज मिले हैं और यह एक ऐसी सरकार

12/01/2018/1145/MS/YK/2

है जिस सरकार ने आदरणीय मोदी जी ने हिमाचल को 63 नेशनल हाइवेज दिए हैं। यह एक बहुत बड़ा विषय है। मित्रों, सरकारें कन्टीन्यूटी में काम करती हैं और विकास चलता रहता है लेकिन जो बातें सही हैं, उन्हें करना चाहिए। आज आपको इस बात की पीड़ा हो गई कि मुख्य मंत्री का इतना स्वागत क्यों हो रहा है। आप तो बोल-बोलकर स्वागत करवाते हो। आपने अन-कन्स्टीच्यूशनल ऑथोरिटीज जो अपने चुनाव क्षेत्रों के अंदर खड़ी की हैं वे मास्टरों को अपने पास बुलाते हैं और कहते हैं कि यहां वार्षिक समारोह होना चाहिए और उनसे कहते हैं कि जिस समय हमारा मंत्री यहां आए तो पूरे-के-पूरे अधिकारी और पूरी-की-पूरी आंगनवाड़ी वर्कर्ज को वहां पर प्रताड़ित किया जाता है और उनको कहा जाता है कि अगर आप वहां पर नहीं आएंगे तो हम आपको बदल देंगे। लेकिन साथियो, जो सरकार अब आई है यह सरकार इस भावना से काम करने वाली नहीं है। आपने कल कहा था कि बदले की भावना से काम नहीं होना चाहिए। पिछले पांच वर्षों के अंदर बदले की भावना से किसने काम किया है उसकी बड़ी लम्बी-चौड़ी कहानी है। मैं तो अपनी बात बोलता रहता हूं और बार-बार बोलता रहता हूं। आपकी सरकार ने संस्थानों को बन्द करने के लिए उच्चतम न्यायालय तक का सहारा ले रखा है और मेरे विधान सभा क्षेत्र के अंदर ऐसा हुआ है। बदले की भावना की बात आप करते हो? यहां जितने भी पुराने विधायक बैठे हैं कोई ऐसा विधायक नहीं है जिसके ऊपर 5-5 से लेकर 10-10 केस न बनाए गए हों और लोकतांत्रिक -(व्यवधान)- यहां तो पहले मैं बिक्रम ठाकुर खड़ा हूं। -(व्यवधान)- हम बता देंगे। अभी थोड़े ही आपको डिटेल देनी है। यहां यह बोला गया कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कोई दिशा नजर नहीं आ रही है। मित्रों, अब बदले की भावना से काम नहीं होगा बल्कि अब हम एफीशिएंसी की भावना से काम करेंगे और जो कर्मचारी और अधिकारी यहां बैठे हैं ये किसी पार्टी के ऐजेंट नहीं हैं। ये इस तरीके से काम करेंगे कि जो सरकार विकास करना चाहती है उसको आगे बढ़ाएंगे। अध्यक्ष जी, मेरा आपके माध्यम से यह भी कहना है कि जैसे योगी जी ने कहा है कि ऑफिसर्ज जो वहां काम करना चाहते हैं वे कृपया विकास के कामों में ध्यान दें। उसी तरह यदि किसी को यह बीमारी है कि हम केवल पिछलग्गु बनकर और चम्मचागिरी करके काम करना चाहते हैं तो इस

12/01/2018/1145/MS/YK/3

सरकार में माननीय मुख्य मंत्री जी ने यह आदेश दिए हैं कि इस प्रकार का कोई भी काम नहीं चलेगा। सरकार साफ-सुथरा और अच्छा काम करेगी। आपने जीरो टॉलरैंस की बात कही है। आदरणीय अध्यक्ष जी, उसको मैं इस मंच से पूरे जोर से कहना चाहता हूं कि यह जो नई सरकार बनी है यह भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरैंस के साथ ही काम करेगी। कइयों को लगता है कि जैसा पुराना सिस्टम चला है उसी प्रकार का सिस्टम चलेगा तो मित्रों वे बातें और वे दिन अब चले गए हैं।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

12.01.2018/1150/जेके/एजी/1

उद्योग मंत्रीः-----जारी-------

मैं तो हिमाचल प्रदेश की आम जनता को भी यह कहना चाहता हूं कि अगर आपको कहीं लगता है कि हमारे विभागों के अन्दर कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार कर रहा है, कोई कर्मचारी भ्रष्टाचार कर रहा है, कोई नेता भ्रष्टाचार कर रहा है, उस बात को हमारे ध्यान में लाएं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी के निर्देश हैं कि भ्रष्टाचार के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यहां पर कांग्रेस के लोग बात करते हैं और कहते हैं कि आप खजाने की बात करते हो। जब आप आते हो तो कहते हैं कि खजाने में कुछ नहीं है। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता, भारतीय जनता पार्टी का नेता, भारतीय जनता पार्टी का मंत्री और मुख्य मंत्री सभी जिम्मेदार लोग हैं, जो प्रदेश हित की बात कर रहे हैं। वहीं आपका जो डेटा बताता है कि आपको 2010 या 2015 तक 21,691 रु0 मिला इसमें शेयर टैक्सिज़ का भी आता है और रेवन्यू का भी आता है तथा लोकल बॉडीज़ का भी आता है और अगले पांच वर्ष के लए आपको 72,033 करोड़ रु0

मिला है उसके बावजूद आप 19 हजार करोड़ रु0 का कर्जा ले रहे हो? आप कहते रहे कि हम बहुत विकास करवा रहे हैं। आपके जो भी हमें इंडेक्स मिले उसमें पता लग रहा है कि विकास के लिए आपने क्या किया? मुझे ऐसा लगता है कि पिछली सरकार ने बहुत ज्यादा फिज़ूलखर्ची की है।पिछली सरकार में हर बार जब यहां पर विधान सभा लगती थी हरेक मंत्री और आदरणीय वीरभद्र सिंह जी भी यही कहते थे कि हमें केन्द्र सरकार से कुछ नहीं मिला। डेटा बता रहा है कि 2010-15 में अगर रेवन्यू डैफिसिट ग्रांट 7888 मिली है तो अगले पांच वर्षों के लिए 40,624 है। आप लोगों से झूठ बोल रहे हैं। यहां पर सी0एम0 रिलीफ फंड की बात आई, मैं तो चाहूंगा कि आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय, जो पिछला सी0एम0 रिलीफ फंड मिला है, उस फंड के अंदर जिन लोगों ने धांधलियां की है, उनके ऊपर एक्शन होना चाहिए। उसकी छानबीन करनी चाहिए। मेरे बड़े भाई आदरणीय राम लाल जी कह रहे थे कि आई0आर0डी0पी0 वाले परिवारों को दिया गया । मैं चाहूंगा कि चुनाव क्षेत्रवार उसका डाटा कलैक्ट किया जाए । दो या चार कंसीच्युएंसी से ज्यादा डिस्क्रिशनरी ग्रांट किसी गरीब आदमी को नहीं मिली । उसका उदाहरण मैं आपके

12.01.2018/1150/जेके/एजी/2

सामने हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में केवल दो लाख रुपये पिछले पांच वर्षों में सी0एम0 रिलीफ फंड का गया है इसलिए आप लोगों ने सी0एम0 रिलीफ फंड के माध्यम से जनता की कोई सेवा नहीं की। आपने केवल बंदरबांट की है। आपको जो अच्छा लगा उसको दिया है। जो अच्छा नहीं लगा उसको नहीं दिया है। कल काफी लम्बी चर्चा हुई और उस चर्चा में मेरे भाई श्री राकेश पठानिया जी ने विभाग के बारे में कुछ चिन्ता की है। मैं इनको बता देना चाहता हूं कि जो आपकी चिन्ता है, उसके बारे में मैं भी गम्भीर हूं। अवैध खनन के बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी ने आदेश दिए हैं कि अवैध खनन के

जितने भी केसिज़ बने हैं, उनके ऊपर पूरा ऐक्शन लिया जाएगा और उनको दंड दिया जाएगा। इसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहता हूं कि हमने अपने विभाग में, चाहे वह माइनिंग का विषय है, चाहे इंडस्ट्री आने का विषय है या कुछ और विषय है, उनमें जो पेचीदा कानून है जिसकी वजह से उद्योग नहीं लग पा रहे हैं, जिसके कारण से अवैध खनन हो रहा है उसको भी हम दुरूस्त करने जा रहे हैं। मित्रो, हम सभी इस माननीय सदन के सदस्य है और मेरा केवल यही अनुरोध है कि हमें भी बड़े जोश से इन बातों का जवाब न देना पड़े। आप यहां पर सही तथ्यों के साथ आएं, सही बात रखें। हमसे जो हो सकता है वह हो और मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी एक बात और कहना चाहता हूं। अगर मैं बालूंगा तो वहां से रिएक्शन आएगा ये कहते हैं कि हमने बड़े काम किए बड़े स्कूल खोले हैं बड़े कॉलेज खोले हैं लेकिन आप उनकी स्थिति देखो। अभी भी आपके कई कॉलेज प्राइमरी स्कूल के अंदर चल रहे हैं। पांच वर्षों के बाद भी हाई स्कूल के अंदर कॉलेज चल रहा है। आप कहीं भी इंफ्रास्ट्रक्चर क्रिएट नहीं कर पाए । जिस रास्ते से आप गुजरे किसी ने अगर कहा कि यहां पर तहसील बननी चाहिए तो पूर्व मुख्य मंत्री जी ने कहा कि तहसील से काम नहीं चलेगा आप यहां पर एस0डी0एम0 का दफ्तर खोलो। इस प्रकार का जो काम हुआ है उसके कारण से समस्याएं आई हैं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी मेरा निवेदन रहेगा कि गुण व दोष के आधार पर इस पर समीक्षा करें और जो कुछ गलत हुआ है उसको ठीक करने की कोशिश करें। पिछली सरकार ने बहुत से ऐसे काम किए हैं

12.01.2018/1150/जेके/एजी/3

जिससे हमें काम करने में परेशानी आएगी। मैं कहूंगा कि जिस प्रकार से इन्होंने विधान सभा क्षेत्रों को चिन्हित करके भेदभाव की नीति के साथ काम किया है हम लोग उस प्रकार का काम न करें। आओ हम सब इकट्ठा हो कर आदरणीय श्री जय राम जी के नेतृत्व में जो सरकार बनी है उसमें विकास की धारा और तेजी से चले, इस ओर ध्यान दें। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जयहिन्द।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी---------

12.01.2018/1155/SS-AG/1

अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, समय पर बात पूरी करने के लिए आपका धन्यवाद। अब श्रीमती आशा कुमारी जी अपनी बात रखेंगी।

श्रीमती आशा कुमारीः अध्यक्ष महोदय, 10 जनवरी, 2018 को महामहिम राज्यपाल जी ने जो अभिभाषण यहां पेश किया, जिसका धन्यवाद प्रस्ताव श्री राकेश पठानिया जी ने लाया और अनुसमर्थन माननीय सदस्य, कर्नल इन्द्र सिंह जी ने किया, उस पर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया, धन्यवाद। आपको जन्मदिन की भी बधाई। आपका जन्मदिन विवेकानंद जी के जन्मदिन साथ-साथ पड़ता है और संयोग से आज प्रियंका गांधी जी का भी जन्मदिन है। --(व्यवधान)-- जब जन्मदिन की बधाईयां दे रहे हैं तो सभी को बधाई।

अध्यक्ष महोदय, यह जो दस्तावेज है मेरे से पूर्ववक्ता सिंघा जी, राम लाल जी और अन्य कई वक्ता इस बात को कह चुके हैं और इस पर चर्चा करने की बात भी नहीं है कि यह जल्दबाजी में बना हुआ दस्तावेज है। दस्तावेज मंत्रिगण नहीं बनाते हैं। यह तो इसको मंत्रिमण्डल में पारित करते हैं। गैलरी में बैठे अधिकारीगण इसे बनाते हैं। मगर

शुरूआती दौर था, सरकार नयी-नयी बनी थी और अफ़सर में अफरा-तफरी में थे कि मैं इधर लग जाऊं या उधर लग जाऊं। इसको बनाने और पढ़ने के लिए मुझे लगता नहीं है कि anybody has applied his mind. इसमें कुछ तो इतनी ग्लेयरिंग डिस्क्रिपैंसीज़ हैं कि कभी-कभी ऐसा लगता है कि यह माननीय राज्यपाल महोदय की भी अवमानना है। आपने जो हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद किया है ऐसी अंग्रेज़ी तो दसवीं का बच्चा भी नहीं लिखता है, जिस तरह से इसका अनुवाद किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इसमें बड़ी हैरानी की बातें हैं। मैं ज्यादा नहीं कहूंगी क्योंकि समय कम है। एक टूरिज्म के ऊपर आपने लिखा है कि हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक सौंदर्य बहुत है, रिलीजियस प्लेसिज़ बहुत हैं इसलिए वहां पर एडवेंचर टूरिज्म चलाया जायेगा। इसका क्या तर्क है? रिलीजियस टूरिज्म रिलीजियस टूरिज्म होता है, रिलीजियस प्लेसिज़ के साथ जुड़ा हुआ होता है और एडवेंचर टूरिज्म एडवेंचरस स्पोर्टस के साथ जुड़ा हुआ होता है। एक लाइन में इस बात को लिखने का मतलब यह है कि इसमें application of mind नहीं हुआ। जय राम जी, आपके इरादे के ऊपर कम-से-कम मैं अभी प्रश्नचिन्ह नहीं लगाना चाहती। आप लम्बे समय से

12.01.2018/1155/SS-AG/2

यहां सदन में रहे हैं। मेरे से पूर्व के दो सदस्य यहां हैं - माननीय सुजान सिंह पठानिया जी और माननीय वीरभद्र सिंह जी। मेरे साथ के राम लाल जी हैं। महेन्द्र सिंह जी मेरे बाद आए। ये 1990 में आए हैं। हम लोग 1985 में आ गए थे। माननीय सदस्य (श्री सुजान सिंह पठानिया) 1977 में आ गए थे और वीरभद्र सिंह जी 1983 में आ गए थे। युवा मुख्य मंत्री जी की जो बात कही, उसको आप लोगों ने गलत सैंस में लिया। इन्होंने यह कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में यह लिखना कि पहली बार हुआ है, यह पहली बार नहीं हुआ है। बलबीर सिंह जी कल चर्चा कर रहे थे। बहुत अच्छा बोल रहे थे। मैंने सदन में आपको पहली बार सुना। शायद जब आप पहली बार सदस्य थे तो मैं इस सदन में नहीं थी। आपने डॉ0 यशवंत सिंह परमार की बात कही कि वह फोटो लगी है, अम्बेदकर जी की भी फोटो लगनी चाहिए। सदन के जो हमारे सदस्य हैं क्या आप लोगों को पता है कि

परमार साहब की क्या उम्र थी जब वे मुख्य मंत्री बने? क्या कोई बता सकता है? He was 45 years old. उसके बाद कौन मुख्य मंत्री बना? हिमाचल प्रदेश में पांच ही मुख्य मंत्री हुए हैं। उसके बाद ठाकुर राम लाल जी मुख्य मंत्री बने। He was 48 years old. किशन कपूर जी को तो कम-से-कम यह बात याद रखनी चाहिए थी कि फिर माननीय शांता कुमार जी मुख्य मंत्री बने। He was 42 years old. (interruption) कुछ महीनों का फर्क हो सकता है। आप उनको भी भूल गए। उसके बाद आदरणीय वीरभद्र सिंह जी मुख्य मंत्री बने। He was slightly less than 49 years old. फिर आपकी पार्टी के जो पहले मुख्य मंत्री थे, आदरणीय प्रेम कुमार धूमल जी मुख्य मंत्री बने। He was also 53 years old. यह हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्रियों की परम्परा रही है कि वे यंग बने मगर हाईटस पर गए। आपका यह शुरूआती दौर है। आप यहां बैठते थे तो मैं कई बार कहती थी कि इन सब को बोल लेने दो, आपकी भी कभी बारी ज़रूर आयेगी। आज हमें खुशी है कि आप मुख्य मंत्री बने हैं।

जारी श्रीमती के0एस0

12.01.2018/1200/केएस/डीसी/1

श्रीमती आशा कुमारी जारी-----

आपके साथ महेन्द्र सिंह जी हैं जो कि बहुत ही अनुभवी हैं और मैं आपको एक बात बता दूं 1985 से ले कर अभी तक हमें इस सदन में बहुत साल हो गए हैं। मैंने बहुत लोगों को मेहनत करते, होम वर्क करते देखा है। आदरणीय राम लाल जी भी हैं, बाकी लोग भी हैं परन्तु जितना होमवर्क और तैयारी करके महेन्द्र सिंह जी आते हैं, मुझे नहीं लगता कि इतिहास में कोई ऐसा सदस्य रहा होगा जो ऐसा करके आता है। इनमें काम करने की क्षमता है मगर महेन्द्र सिंह जी कॉंटिन्यूटी में काम रखियेगा। नुक्ताचीनी निकालने का काम नहीं करिएगा। आपके पास बहुत महत्वपूर्ण महकमा आई0पी0एच0 का महकमा है।

अध्यक्ष जी, सी0एम0 रिलीफ फंड की बात आई। वैसे तो रामलाल जी ने इस बारे में कह दिया मगर कल विपिन परमार जी शायद कई सालों के बाद सदन में आए हैं, इनको लगा कि मैं इतने साल नहीं बोल सका इसलिए आज ही बोल लूं। वैसे तो मंत्री जब बोलते हैं, वे अपने विभाग पर इंटरवीन करते हैं । मुझे तो लगा कि विभाग बदल गए हैं। शिक्षा विभाग उधर चला गया है और स्वास्थ्य विभाग शायद भारद्वाज जी के पास आ गया। इन्होंने शिक्षा विभाग पर ही पूरा भाषण दे दिया। इंटरवीन करें अच्छा लगता है। हमारे उर्जावान श्री बिक्रम सिंह जी ने आज माइनिंग के बारे में बात की। ठीक है, इनका विभाग है, इनको उसके बारे में बात करनी भी चाहिए । आपने कहा कि मुख्य मंत्री रिलीफ फंड में आपके विधायक पैसा देने वाले हैं। मैं आपकी सूचना के लिए बताना चाहती हूं, रिकॉर्ड आपके पास होगा, हम सब भी मुख्य मंत्री रिलीफ फंड में पैसा देते आए हैं। यह कोई नई बात नहीं होगी और मुख्य मंत्री रिलीफ फंड के लिए पैसा ऑर्गेनाइज़ करना मुख्य मंत्री और मुख्य मंत्री कार्यालय की अपनी होशियारी होती है कि मित्रों से लेना है, प्राइवेट उद्योगपतियों से लेना है। (व्यवधान) तो फिर आप रो क्यों रहे हैं? अभी तो आपकी शुरूआत ही हुई है। वस्तुस्थिति आपको रामलाल जी ने सुना दी कि जब आप गए थे आप क्या छोड़कर गए थे? जो चीफ मिनिस्टर रिलीफ फंड है, जिस पैसे को आप

12.01.2018/1200/केएस/डीसी/2

ऑर्गेनाइज़ करेंगें, उसको खर्च करने का हक भी आप ही का होता है। तो जिस पैसे को वीरभद्र सिंह जी ने ऑर्गेनाइज़ किया उसको उन्होंने खर्च किया तो इसमें कौन सी बड़ी बात हो गई। It is not worth to mention here. Vipin ji, don't try to distort the facts. और जो बातें रामलाल जी ने कही हैं, वह तथ्यों पर कही है वरन् हम आर0टी0आई0 निकाल कर फिर आपको इसी टेबल पर ले कर देंगें। आपने विज़न डॉक्युमैंट की बात कही। अच्छा होता, यहां पर राकेश जम्वाल जी कल बहुत अच्छा बोले। ये हमारे युवा साथी है, इन्होंने एक बात बहुत अच्छी कही और मैं इनका समर्थन

करती हूं कि अगर आपने अभिभाषण को विज़न डॉक्युमैंट ही रखना था तो इसके साथ में विज़न डॉक्युमैंट ले भी कर देते तो दुनिया को पता लगता कि आपकी विज़न क्या है क्योंकि आपकी विज़न कब बदल जाएगी इसका कोई पता नहीं लगता। (Interruption) Shri Mahender Singh ji we are old friends. केन्द्र में आपकी सरकार बनी, लगभग पौने चार साल होने को आ रहे हैं। जब सरकार बनी तो आपकी पार्टी का स्टैंड था कि नरेगा से खराब कोई चीज़ हिन्दुस्तान के लिए हो ही नहीं सकती और आज आपका स्टैंड है कि नरेगा से बढ़िया कुछ है ही नहीं। आपका स्टैंड था कि आधार गलत है लेकिन आज आपका स्टैंड है कि आधार हर चीज़ के साथ लिंक होना चाहिए। आपका स्टैंड है कि एफ0डी0आई0 अगर आएगी, आपके अभी वर्तमान जो वित्त मंत्री है, उन्होंने कहा था कि मेरी आखिरी सांस तक मैं एफ0डी0आई0 को अपोज़ करुंगा और आज 100 प्रतिशत एफ0डी0आई0 ले आए। तो आप हमारी जितनी योजनाओं की आलोचना कर रहे हैं तीन साल बाद हम देखेंगें कि हमारी इन्हीं बातों को दोहराएंगें। आपका भविष्य यही है roll back, go back and follow what the Congress says. This is your policy. You are doing it on the national level. (Interruption) Vipin Ji , please don't do this. You have gone for hundred percent FDI day before yesterday. अध्यक्ष महोदय, बहुत लम्बा नहीं बोलना चाहती। कल हमारे बहुत ही वरिष्ठ सदस्य जो कि इस माननीय सदन के डिप्टी स्पीकर भी रहे हैं, पेशे से वकील भी है हमारे जवाईं कृष्ण कपूर जी ने उनकी बात को गलत ले लिया और ये कहा कि हमारे इतने-इतने मंत्री हैं। उन्होंने मंत्रियों की बात नहीं की थी।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

12.1.2018/1205/av/dc/1

श्रीमती आशा कुमारी ---------- जारी

उन्होंने इस डाक्यूमैंट की बात की थी कि आपके इस डाक्यूमैंट में एस0सी0/एस0टी0 व ओ0बी0सी0 का जिक्र नहीं है और इसमें नहीं है, यह एक सच्चाई है। (---व्यवधान--) मैं अपना वक्तव्य खत्म कर रही हूं। हम बेटियों की बात करते हैं। यह बहुत गर्व की बात है कि हिमाचल प्रदेश की बेटियां बहुत ऊंचे-ऊंचे चाहे वह खेल जगत हो क्योंकि इंटरनैशनल स्कींग में अभी हमारी बेटी आंचल ठाकुर को ब्रोंज मैडल मिला। पिछले कल ही हिमाचल प्रदेश की एक बेटी चीफ जस्टिस अप्वाईंट हुई है। वह राजा वीरभद्र सिंह जी की बेटी है, मगर वह हिमाचल प्रदेश की भी बेटी है। वह हिमाचल प्रदेश से पहली महिला अप्वाईंट हुई है, we are proud of her and I want to bring this on record that we are proud of our girls, who are doing an excelling in many fields. अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात आपकी अनुमति से कहना चाहती हूं लेकिन अभी यहां पर श्री गोविन्द सिंह ठाकुर जी बैठे नहीं है। मैं यह बात मुख्य मंत्री जी के माध्यम से श्री गोविन्द सिंह ठाकुर जी तक पहुंचाना चाहूंगी। मैं उनकी धन्यवादी भी हूं और ये सारे मेरी समिति के मैम्बर भी थे जो अब सारे मंत्री बन गये हैं। वैसे तो पहली लाइन में बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो उधर से इधर और इधर से उधर आते-जाते रहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से गोविन्द सिंह ठाकुर जी से निवेदन करना चाहूंगी कि just before elections were announced. हाई कोर्ट ने एक आदेश पारित कर दिया जिसमें अचार संहिता लगने के कारण जे0एन0एन0यू0आर0एम0 की बसों के रूट्स बंद कर दिए थे। वह रूट्स नॉमर्ल बसिज में कनवर्ट होने थे। रूट्स कनवर्ट हो गए मगर अचार संहिता लगने से वह चालू नहीं हुए जिसके कारण लोगों को बहुत असुविधा हो रही है। ये सारे-के-सारे सैंक्शन्ड रूट्स हैं। आलरेडी वर्किंग रूट्स हैं मगर अचार संहिता लगने के कारण इस पर हाई कोर्ट का आर्डर आ गया जिसके कारण ये बसें बंद हो गई थीं कृपया आप इस पर कार्रवाई करें। मेरा सरकार से निवेदन के साथ-साथ

उम्मीद है कि आप अच्छा काम करेंगे, हम आपका साथ देंगे। मगर यदि आप हमारी बनाई हुई स्कीमों का नाम बदलकर या हमारी बनाई हुई स्कीमों को तोड़-मरोड़कर, हमारी ही चीजों को इधर-से-उधर करके आप आगे जाने का प्रयास

12.1.2018/1205/av/dc/2

करेंगे तो जहां आप गलत करेंगे हम आपका विरोध भी करेंगे। This document is so badly drafted कि मैं तो नहीं समझती कि कोई भी इसका समर्थन कर सकता है। धन्यवाद।

12.1.2018/1205/av/dc/3

अध्यक्ष : महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के पश्चात माननीय मुख्य मंत्री जी इस चर्चा का उत्तर देंगे।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव इस मान्य सदन में हमारे माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी ने लाया और इसका अनुसमर्थन माननीय सदस्य श्री इन्द्र सिंह जी ने किया।

मुझे खुशी इस बात की है कि इस अभिभाषण पर हुई चर्चा में दोनों पक्षों से 18 सदस्यों ने भाग लिया जिसमें 7 पक्ष की ओर से, 9 प्रतिपक्ष से और 1 सी0पी0आई0एम0 के सदस्य ने भाग लिया ।(---व्यवधान---)

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री जी, 16प्लस 4 यानि 20 सदस्यों ने भाग लिया।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, ठीक है, धन्यवाद।

आज संयोग है कि स्वामी विवेकानन्द जी का जन्मदिन है जो हमारे देश के लिए और हमारे देश की संस्कृति को तथा खासतौर से युवाओं के लिए एक प्रेरणा के स्त्रोत के रूप में माने जाते हैं, जाने जाते हैं। **श्री वर्मा द्वारा जारी**

12-01-2018/1210/टीसीवी/एचके/1

माननीय मुख्य मंत्री .....जारी

आप सबके साथ आज इस माननीय सदन के कैबिनेट कक्ष में जाकर हमने श्रद्धांजलि उनको दी। इस बार बहुत बड़ी तादाद में इस विधान सभा में नौजवान सदस्य चुनकर आये हैं और वे स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन पर चल करके आने वाले समय में इस प्रदेश में अपना योगदान देंगे। उनका जीवन हमेशा हमारे लिए प्रेरणास्रोत बन करके आगे बढ़ने के लिए रहा है, उनसे हम सीख लेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको भी बधाई देता हूं। आज आपका भी जन्मदिन है। मैं आपकी उम्र नहीं पूछ रहा हूं लेकिन यहां इस नये दायित्व के पश्चात् पूरे सदन की ओर से मैं जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह जन्मदिन आपको और आपके परिवार के लिए शुभ रहे तथा हम सब इस माननीय सदन में आने वाले समय में इस प्रदेश के विकास के लिए जो कुछ भी करना है, उसको दिशा दे सकें। अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के चुनाव के पश्चात् यह पहला सत्र है। मैं सभी माननीय सदस्यों को, जो चुनकर आये हैं, बधाई देता हूं और विशेष तौर से जो माननीय सदस्य पहली बार इस माननीय सदन में पहुंचे हैं, उनको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। सदन में दोनों तरफ अगर देखें तो एक अच्छा कोंबिनेशन/मिश्रण है। इस माननीय सदन में अनुभवी लोग भी उपस्थित है और इसके साथ-साथ जो नये जोश और उमंग के साथ पहली बार आये, जिनमें इस प्रदेश, समाज के लिए कुछ करने का ज़ज्बा है, वह भी हमारे बीच में एक ऊर्जा के रूप में काम करेंगे। जहां तक अध्यक्ष महोदय महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा का संबंध है, मुझे इस बात की खुशी है कि सब लोगों ने इस पहले सत्र में अच्छा बोला है, चाहे वह सदस्य नये है। यहां तक कि हमारे जो विपक्ष के माननीय सदस्य हैं, उन्होंने भी बहुत ज्यादा नहीं, बहुत ज्यादा बोलने की गुंजाईश भी नहीं थी लेकिन उसके बावजूद भी सब्र और संयम के साथ अपनी बातें कही है। मैं उनका भी धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इससे

पहले कि हम आगे बढ़ें, इस माननीय सदन की स्थापित परम्पराओं का सम्मान करते हुए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए भी दोनों तरफ से सहयोग मिला, खासकर सत्तापक्ष का सहयोग विपक्ष ने जो दिया, उसके लिए मैं विपक्ष का भी

12-01-2018/1210/टीसीवी/एचके/2

धन्यवाद करता हूं। अगर हम आगे बढ़ने की दिशा में चलें, कुछ तो मुझे लगता है कि अभी ज़ख्म ताजा है इसलिए स्वाभाविक रूप से कुछ पीड़ा तो है ही। मुझे इस बात के लिए हिमाचल प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना है कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने हमारे दल को समर्थन दिया। भारतीय जनता पार्टी के 44 विधायक चुनकर आये हैं। इसके साथ-साथ मुझे इस बात की भी खुशी है कि 2 निर्दलीय विधायकों ने हमसे मिलकर आग्रह किया है कि हम भी आपके साथी-सहयोगी बनकर इस सदन में काम करना चाहेंगे। लोकतन्त्र में चुनाव के परिणाम निकलने के पश्चात् हमको स्वीकार करना चाहिए, जो निर्णय जनता ने दिया है उसके प्रति आदर का भाव हमारा रहना चाहिए। लेकिन उसके बाद भी मैं देख रहा हूं कि कुछ पीड़ा हमारे साथियों में झलक रही है जो स्वाभाविक है। इसीलिए मैं कह रहा हूं कि ज़ख्म ताज़ा है तो पीड़ा स्वाभाविक है। अध्यक्ष महोदय मुझे इस बात की खुशी है कि इस सदन में अबकी बार थोड़ा बदलाव दिख रहा है। एक तरह से युग परिर्वतन हुआ है।

एन0एस0 .... द्वारा जारी।

12.01.2018/1215/NS/HK/1

मुख्य मंत्री .....जारी।

हमारे साथी श्री मुकेश जी जो कांग्रेस विधायक दल के नेता हैं, उन्होंने कहा कि नेता कोई और थे लेकिन बन कोई और गए। भाई मुकेश जी आपके यहां पर भी तो ऐसा ही हुआ है, नेता तो घोषित कोई और थे लेकिन बन कोई और गए। इसलिए मुझे लगता है कि कुछ बातें ऊपर वाले पर भी छोड़ देनी चाहिए। ऐसा कुछ लोग कह रहे हैं कि यह संयोग है। जब चुनाव का दौर चल रहा था तब हमारी पार्टी मौटे तौर पर चिन्तन-मंथन कर रही थी। हमारी पार्टी की ओर से मुख्य मंत्री के लिए नेता का नाम घोषित हुआ लेकिन ठीक उसी के दो दिन बाद मेरे विधान सभा क्षेत्र से हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी इस बात को भी घोषित करके चले गए कि अगर हिमाचल प्रदेश में हमारी पार्टी की सरकार बनती है तो नेता के बाद उप-नेता के रूप में उप मुख्य मंत्री के तौर पर उन्होंने शब्द इस्तेमाल नहीं किया लेकिन ज़िक्र बड़ा साफ किया और उस जनसभा में हज़ारों लोगों की उपस्थिति में उन्होंने कहा कि वे जय राम ठाकुर होंगे। वे इस बात को कहकर गए हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता तो इस सदन में उपस्थित नहीं हो पाये लेकिन आप अपने नेता की उपस्थिति में यहां बैठे हुए हैं। मुझे लगता है कि इस बात को हमें सहज़ रूप में स्वीकार करना चाहिए कि आपकी पार्टी का निर्णय आपके लोग करेंगे, आपकी पार्टी के नेता करेंगे, आप सब लोग करेंगे और हमारी पार्टी का निर्णय हमारी पार्टी ने करना है। इसलिए मुझे लगता है कि इस दिशा में आगे जाने की आवश्यकता नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मुझे आगे बढ़ करके यह बात भी कहनी है कि कुछ लोगों को इस बात की बड़ी आपत्ति हो रही है कि हमें जवान या युवा कह दिया। माननीय सदस्य बहुत वर्षों तक हमारी इस विधान सभा और प्रदेश का नेतृत्व करते रहे और माननीय वीरभद्र सिंह जी अपने आप को जवान महसूस करते हैं। इस आंकडे को छूने की आवश्यकता पता नहीं क्यों पड़ गयी? ...(व्यवधान)... लेकिन हमारी उम्र को गिना जा रहा है। वर्षों और महीनों के हिसाब से गिना जा रहा है और आगे दिनों के हिसाब से गिनेंगे। मुझे लगता है कि इसमें आगे जाने की आवश्यकता नहीं है।

12.01.2018/1215/NS/HK/2

अध्यक्ष महोदय, पहली बार जब इस बात का ज़िक्र आया तो मुझे लगता है कि छोटी-सी त्रुटि रही है। लेकिन इसके बावजूद इस माननीय सदन में हमारे वरिष्ठ नेता के प्रति आदर भी है और सम्मान भी है। एक नई पीढ़ी यहां (सत्ता) भी आई और वहां (विपक्ष) भी आई। मुझे लगता है कि उस दृष्टि से इसे देखने की आवश्यकता है। इससे ज्यादा मुझे इस पर कहने की आवश्यकता महसूस नहीं होती है।

अध्यक्ष महोदय, आगे बात महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की आती है। यहां पर ज़िक्र हो रहा है कि इसमें विज़न नहीं है, बहुत छोटा है। मैं बहुत स्पष्ट कहना चाहता हूं। मैं वैसे भी कम बोलने वाला व्यक्ति हूं। मैं कम बोलता हूं लेकिन काम ज्यादा करने की कोशिश करता हूं। इस माननीय सदन में पिछले बीस वर्षों से लगातार जीत कर आया हूं। लेकिन इसके बावजूद कभी मुझे ऐसा नहीं लगता कि हम खड़े हो करके बोलने के लिए खड़े हुए हैं। हां, जब वज़ह होती है तो हम बोलते हैं। जहां हमें जरूरी लगता है वहां हम बोलते हैं। इसलिए बेवज़ह बोलने की आवश्यकता नहीं होती है। मुझे इस बात की खुशी है। सब्र और संयम का फल मीठा होता है। मुझे इस दृष्टि से इतना ही कहना है कि सामने जो हमारे मित्र (विपक्ष) बैठे हैं वे सब्र और संयम रखें। हम जल्दबाज़ी में क्यों हैं? मुझे यह समझ नहीं आ रहा है कि अभी सरकार बने हुए 15 दिन का ही समय हुआ है और 15 दिन में आप हमारी सरकार की जवानी का ज़िक्र करना चाहते हैं, आगे का ज़िक्र करना चाहते हैं। अगर हम पिछले हिसाब का ज़िक्र करना चाहते तो

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

12.01.2018/1220/RKS/YK/1

माननीय मुख्य मंत्री... जारी

महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण हम बहुत लम्बा भी कर सकते थे। लेकिन लम्बा करने की बात आती तो बहुत बातों का जिक्र होता जो शायद आपको परेशानी में डाल देती। हमने कहा कि शुरूआत कैसे की जाए- 'घागर में सागर"। इस रूप में इसको देखने की आवश्यकता है। अगर हम जिक्र करने में आते तो बहुत सारी बाते थीं परन्तु हम उन बातों को खोदना नहीं चाहते हैं। जिस दिन से मुझे दायित्व मिला मैंने उसी दिन से तय किया कि एक ईमानदार सरकार हिमाचल प्रदेश की जनता को समर्पित करेंगे। दूसरा, बदले की भावना से हम काम नहीं करेंगे। पूरे प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए हम एक मन से काम करेंगे। हिमाचल प्रदेश का संतुलित विकास हो उस दृष्टि से काम करने की आवश्यकता है इसलिए हमने उन बातों का जिक्र छोड़ दिया। 15 दिन की सरकार में, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में हमने जिन बातों का जिक्र किया मैं समझता हूं वह पर्याप्त है। जैसे मैंने कहा कि मुझे कम बोलने और ज्यादा काम करने की आदत है। हम काम करेंगे और कम बोलेंगे। उसके बाद प्रदेश की जनता पर काम का निर्णय छोड़ देंगे।

अध्यक्ष महोदय, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी और अन्य कुछ साथियों ने हमारा जिक्र किया कि हम पहले दिन से ही रोना रो रहे हैं। हम रोना नहीं रोते। मैं बहुत स्पष्ट कह रहा हूं कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति क्या है? क्या यह प्रदेश की जनता को जानने का अधिकार नहीं है? हिमाचल प्रदेश किस दौर से गुजर रहा है? यदि हम हिमाचल प्रदेश की जनता के ऊपर पूर्व कर्ज़ का जिक्र करें तो साढ़े 46 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। क्या हम इस बात का जिक्र न करें? हिमाचल प्रदेश के विकास को एक दिशा देने की आवश्यकता है और हमारी कोशिश रहेगी कि कहीं भी विकास में धन का अभाव बाधा न बने। इस बात को हम सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे। इसके बावजूद भी हमें यह

सच्चाई बतानी होगी कि हमारी वस्तुस्थिति क्या है? प्रदेश की आर्थिक स्थिति का जिक्र करें तो 31 मार्च, 2008 तक 21,241 करोड़ रुपये का ऋण था। 31 दिसम्बर, 2012 तक यह ऋण बढ़कर 28,650 करोड़

12.01.2018/1220/RKS/YK/2

रुपये तक पहुंच गया। हमारे वरिष्ठतम सदस्य जो कि 6 बार इस प्रदेश के मुख्य मंत्री भी रहे हैं उन्होंने कई बार इस बात का जिक्र भी किया है। वर्ष 2007 से वर्ष 2012 तक लगभग 7,621 करोड़ रुपये का ऋण लिया गया। 13वें वित्तायोग में सरकार को केवल मात्र 21,588 करोड़ रुपये की अनुदान राशि मिली । मैं माननीय सदन को यह बताना चाहता हूं कि 14वें वित्तायोग में प्रदेश सरकार को लगभग 72,034 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया। अगर हम 14वें वित्तायोग का जिक्र करें तो स्वाभाविक रूप से हमें इस बात को स्वीकार करना चाहिए कि हमारी वर्तमान केंद्र की सरकार जो हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में चल रही है ने कितने खुले दिल से हिमाचल प्रदेश की मदद की है। अगर यह मदद नहीं मिली होती तो क्या स्थिति होती? मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वर्तमान में जो हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति है, अगर यह मदद नहीं मिली होती तो ट्रेज़री बंद करने की नौबत आ जाती। मुझे लगता है कि इन सारी चीजों को हमें व्यावहारिक रूप से समझने की आवश्यकता है। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी जी का हिमाचल प्रदेश से बहुत नजदीकी दिल का रिश्ता है।

श्री0 बी0 एस0 द्वारा जारी...

12-01-2018/1225/बी. एस./वाई .के. -1

मुख्यमंत्री जी द्वारा जारी...

वर्षों से वे हमारे संगठन के लिए हिमाचल प्रदेश के गांव-गांव में घूमते रहे हैं। इसलिए जब भी हिमाचल प्रदेश का जिक्र आता है तो वे अपने आप को ऐसा महसूस करते हैं कि ये प्रदेश अलग नहीं है यह प्रदेश मेरा अपना प्रदेश है, अपना घर है। इस भाव के साथ उन्होंने मदद की लेकिन उसके बाद भी हिमाचल प्रदेश की विधान सभा के अंदर माननीय अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद का एक शब्द तक नहीं बोला गया, दो शब्द तो अच्छे बोलिए। अगर इतनी खुली मदद हिमाचल प्रदेश को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा पूर्व सरकार दी गई है तो धन्यवाद तो करिए। लेकिन दो शब्दों के लिए हम तरस गए, आप नहीं कह पाए। आप सत्ता पक्ष से विपक्ष की ओर चले गए पांच वर्ष का वक्त बीत गया लेकिन प्रधानमंत्री जी के लिए आभार का एक शब्द वहां से नहीं आया। हम इस बात के प्रत्यक्ष गवाह हैं। हमको सच में इस बात को लेकर पीड़ा है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि आप हमारे नेताओं की तारीफ करें लेकिन हम इतना जरूर चाहते हैं कि यदि प्रधानमंत्री जी ने अगर इतने छोटे से प्रदेश को विशेष रूप से मदद करने के लिए आगे आकर कदम बढ़ातें हैं तो हमारा यह नैतिक दायित्व बनता था कि हम उनका आभार व्यक्त करते। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की ओर से इस बात का जिक्र नहीं हुआ ।

अध्यक्ष महोदय, कुछ लोगों ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री जी शपथ समारोह में आते हैं तो इससे क्या होता है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि यह शौभाग्य हमें प्राप्त हुआ है। हिमचल जैसे छोटे से राज्य में प्रदेश सरकार का शपथ समारोह था उसमें प्रधानमंत्री जी निजी रूप से हमें शुभ कामनाएं, आशीर्वाद देने के लिए यहां पहुंचे। मुझे इस बात की भी खुशी है कि 10 प्रातों के मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश में शुभकामनाएं देने पहुंचे, कई केन्द्रीय मंत्री पहुंचे। लेकिन विपक्ष के कुत्र मित्र कहते हैं कि इससे क्या होता है। माननीय अध्यक्ष महोदय, इससे हमारा आगे बढ़ने के लिए हौंसला बढ़ता है, इससे हिमचल प्रदेश को आगे बढ़ने के लिए तरक्की का रास्ता मिलता है। जहां सरकार को बनाने के लिए शुभकामनाएं उनकी मिली वहीं स्वाभाविक रूप से हमें केन्द्र से मदद की भी पूरी उम्मीद है और उम्मीद को पूरा करने के लिए मैं इतना ही कहना चाहता हूं पूरा

सहयोग हमको मिलेगा। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी का एवं राष्ट्रीय नेतृत्व तथा संगठन का भी ध्यन्यवाद करता हूं जिन्होंने मेरे ऊपर विश्वास व्यक्त किया है और हम पर निर्णय किया। मैं कोशिश करूंगा जो हमारी हिमाचल प्रदेश की जनता है, जनता के विश्वास पर भी खरा उतरूं और अपनी

12-01-2018/1225/बी. एस./ए .जी. -2

पार्टी के नेताओं के विश्वास पर भी खरा उतरूं। जो उम्मीद माननीय प्रधानमंत्री जी ने हिमाचल सरकार से लगाकर रखी है उन सबको पूरा करने के लिए मैं आपसे सहयोग भी मांगूगा, आप सबका समर्थन भी मांगूगा। मैं तो इतना कहता हूं कि हमारी सरकार खुली सरकार है। आप हमारे खिलाफ डट कर बोलिए कोई आपत्ति नहीं है लेकिन उसके साथ-साथ मैं यह भी बोलना चाहता हूं कि हम अच्छा क्या कर सकते है और अच्छा करने के लिए हम मिल करके क्या कर सकते हैं। उन सब के लिए मैं आप सब से सुझाव भी चाहूंगा। जो सुझाव आप देंगे जो करने के योग्य होंगे निश्चित रूप से में ये नहीं देखूंगा कि सत्ता पक्ष ने दिया है या विपक्ष ने दिया है। जो भी प्रदेश हित में सुझाव आएगा उसका में अभिनंदन कररूंगा स्वागत करूंगा और उसको जनता को स्मर्पित करूंगा।

अध्यक्ष महोदय, बहुत सारे साथियों ने यहां जिक्र किया विपक्ष की ओर से जो कहते थे रिपीट होंगे। स्वभाविक रूप से चुनाव के दिनों में ऐसा बोलना पड़ता है लेकिन हमें पहले से लग रहा था कि स्थिति ऐसी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मुझे 20 वर्ष इस माननीय सदन में हो गए यह पहली बार देखा कि मदद तो केन्द्र से मिली लेकिन फट्टा लगाने का कार्य एक कौन से दूसरे कौने पर हिमाचल प्रदेश में चला । अगर संस्थान खोलने का क्रम हिमाचल प्रदेश में चला सचमुच में यह सारी बात को लेकरके तो हम अब सोच रहे हैं कि इनका क्या करें।

श्री डी.टी. द्वारा जारी.....

12.01.2018/1230/DT/AG-1

माननीय मुख्य मंत्री ..... जारी

सैंकड़ों फट्टे दीवार पर टांगने का काम पूर्व की सरकार ने किया। एक जगह से उद्घाटन कर दिया गया और वहां के नेताओं को कह दिया गया कि वहां पर फट्टा लगा दीजिए यह हमने अपने विधान सभा क्षेत्र में देखा। बहुत सारी ऐसी योजनाएं जो विधायक प्राथमिकता की योजना थीं, इन बातों को भी हम छोड़ देते हैं परंतु यह हमने इससे पहले कभी नहीं देखा था। मंत्री उद्घाटन करने के लिए उद्घाटन स्थल पर पहुंचते देखे, मुख्यमंत्री उद्घाटन करने के लिए उद्घाटन स्थल पर पहुंचते थे। उसका अपना एक आनंद होता है। लोगों को बुलाया जाता है लोगों की उपस्थिति में सारा कार्यक्रम किया जाता है। लेकिन यह पहली परंपरा मैंने हिमाचल में देखी। अध्यक्ष महोदय, सभी परंपराओं की धज्जियां उड़ा करके ये कदम उठाया गया। प्रदेश का विकास हो, यह लक्ष्य नहीं था। लक्ष्य यह था कि सत्ता में हमारी फिर से वापसी कैसे हो। हम राजनीतिक दृष्टि से कैसे इसका लाभ उठा सकें और फट्टे टांग दिए गए। उसके बावजूद माननीय मुकेश जी आप इधर से उधर हो गए। अब समय निकल गया है आप लोगों को गुमराह नहीं कर सकते। राजनीतिक दल के लोग चाहे इस तरफ के हैं चाहे उस तरफ के हैं। वह समय गुजर गया जब लोग मनचाह कार्य करवा लेते थे। अब लोग बड़ी बारिकी से कार्य को देखते हैं। हकीकत क्या है, सच्चाई क्या है । पहले डर होता था कि नेता जब जाता था कुछ कहता था आधी बाते सही और आधी गलत कह कर चला आता था लेकन लोग उस पर यकीन कर लेते थे। लेकिन आज इस आई.टी.के जमाने में मुझे तो लगता है कि सभी राजनेताओं को यह काम छोड़ देना चाहिए। कार्य करने के बारे में कहे और वह पूरा न हो तो और फजिहत हो जाती है। आज सबकी जेब में मोबाईल पड़ा हुआ है। एक नहीं दो-दो पड़े हुए हैं। वे नैट पर सारी चीजों का पता लगाता रहता है कि कौन सी चीज कहां है। इससे पहले कि हम उनको बताए वे भीड़ में

से उठकर हमसे जवाब चाहता है। इस बात को हमें स्वीकार करना चाहिए । यह परिर्वतन आने वाले समय में जितने भी राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले लोग है, चुने हुए प्रतिनिधि हैं, उन्हें वही कार्य कहना पड़ेगा जो

12.01.2018/1230/DT/AG-2

सच है और जो नहीं हो सकता है वह नहीं कहना पड़ेगा। यह आदत्त डालनी पड़ेगी नहीं तो यह स्थिति अच्छी नहीं होने वाली है। विपक्ष के कुछ साथी कह रहे थे कि गाड़ी का स्टीयरिंग किसी के पास है ब्रेक किसी के पास है। वह कोई और दौर था कि गाड़ी का स्टीयरिंग व ब्रेक किसी और के पास थे और दुर्घटना हो गई उस दुर्घटना के शिकार आप लोग हो गए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बड़े स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं यहां गाड़ी बिल्कुल फिट है स्टीयरिंग में भी हमारे पास है और ब्रेक भी हमारे पास है आप चिंता मत करिए। यह गाड़ी बड़े ढंग से चलेगी और सबको अपने डेस्टिनेशन तक पहुंचाएगी लक्ष्य तक पहुंचाएगी। मैं एक और बात कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय, ये सारे दौर चलते रहते हैं सारी चीजें चलती रहती हैं। मैं पिछले चार दिनों से विधान सभा में हूं , धर्मशाला में हूं। बहुत बड़ी संख्या में जब लोग मुझे मिलने के लिए आए । उनका यह कहना है कि हमारे यहां स्कूल तो खोल रखा है लेकिन अध्यापक नहीं है, अस्पताल तो खोल रखा है लेकिन डाक्टर नहीं है, फार्मासिस्ट नहीं हैं। यह विचित्र परिस्थिति हमारे सामने आई कि इन संस्थानों का क्या करना है। लेकिन उसके बावजूद भी हमने कहा कि हम बदले की भावना से काम नहीं करेंगे। हमने पहली कैबिनेट की मीटिंग में निर्णय लिया और उस निर्णय के तहत हमने कहा है कि पिछले 6 महिनों में जितने भी संस्थान खुले हैं जो

उचित होंगे, पैरामीटर्ज में होंगे, बजट प्रोविजन के साथ होंगे उनका संचालन करेगें। इसके साथ कुछ ऐसे संस्थान भी हैं जहां व्यावहारिक रूप से उन संस्थानों को लेकर हमें पूर्ण विचार करने की आवश्यकता होगी तो पूर्ण विचार करने की गुंजाइश सरकार ने रखी है। लेकिन बदले की भावना से काम करने की हमारी आदत नहीं हैं।

श्री एस0एल0 एस0 द्वारा जारी

12.01.2018/1235/SLS-AG-1

माननीय मुख्य मंत्री .....क्रमागत

अध्यक्ष महोदय, हमारे साथियों ने बेरोज़गारी भत्ते की बात कही थी कि हम बेरोज़गारों को भत्ता देंगे। आप लोगों ने यह कहा था। लेकिन पिछले 5 वर्षों में लगातार यह आप लोगों के लिए बड़ा दुविधापूर्ण विषय रहा। आपके घोषणा-पत्र में यह ज़िक्र था कि हम हिमाचल प्रदेश के बेरोज़गारों को बेरोज़गारी भत्ता देंगे। जब 5 साल पहले आपने सरकार बनाई थी उस समय के घोषणा-पत्र में आपने यह कहा था। लेकिन सरकार आने के बाद आपने कहा कि बेरोज़गारी भत्ता देना कठिन है लेकिन इस परिस्थिति में एक रास्ता निकालेंगे और हम कौशल विकास भत्ता देंगे। आप इस बात का ज़िक्र करते रहे। सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी अभी यहां पर नहीं हैं। वह अभी भी पार्टी के अध्यक्ष हैं। उस समय वह सरकार के बाहर से कहते थे कि बेरोज़गारी भत्ता देना हमारी एक कमिटमैंट हैं लेकिन उस वक्त के मुख्य मंत्री कहते थे कि अगर कमिटमैंट है तो उन्हीं से बात करिए। कहते थे कि हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है। लेकिन जब आपकी सरकार का अंतिम समय आया और अंतिम बजट सत्र था, जब आपकी विदाई का वक्त था, उस वक्त घोषणा-पत्र का ज़िक्र किए बिना बेरोज़गारी भत्ते का ज़िक्र हुआ कि हम हिमाचल प्रदेश के बेरोज़गारों को बेरोज़गारी भत्ता देंगे। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात को लेकर बड़ा स्पष्ट कहना है। जब आपका जाने का वक्त था तब आपने इस बात का ज़िक्र किया था। फिर जाते-जाते आपने कुछ इस तरह से कोशिश भी की। मैं

वह आंकड़ा देख रहा था। आप 12 लाख बेरोज़गारों का ज़िक्र कर रहे थे लेकिन आप जाते वक्त कितने लोगों को बेरोज़गारी भत्ता दे पाए? वह आंकड़ा 20000 से भी कम का है। आपने उस पर लगभग साढ़े सात करोड़ रुपया ख़र्च किया है। इसी बात को लेकर बेरोज़गारों ने आपको और आपकी पार्टी को नकार दिया। उन्होंने आपको संदेश दिया है कि आप इस तरह से बार-बार हमारे नाम पर वोट लेने और हमें ठगने का काम बंद कीजिए। उनका स्पष्ट संदेश है कि आप बेरोज़गारों के नाम पर वोट मांगने का काम बंद करिए। बेरोज़गार रोज़गार चाहता है। बेरोज़गारी भत्ते से उसका गुज़ारा होने वाला नहीं है। उसने स्वयं आपके इस निर्णय को सिरे से खारिज़

12.01.2018/1235/SLS-AG-2

करके इस बात को कहा है। हम भी इस बात को कह रहे हैं कि आने वाले समय में हमारी सरकार कोशिश करेगी। यह एक कठिन काम है लेकिन असंभव नहीं है। हम कोशिश करेंगे कि हम ज्यादा-से-ज्यादा बेरोज़गारों के लिए रोज़गार के साधन जुटाएं। सरकारी क्षेत्र के अलावा जो हमारा प्राइवेट सैक्टर है, उसमें भी हम रोज़गार जुटाने की कोशिश करेंगे। खास तौर से, हम हिमाचल प्रदेश में आजीविका के साधन किस प्रकार से पैदा कर सकते हैं, उस दृष्टि से काम करने की आवश्यकता है। सरकार कोई भी बने, सभी बेरोज़गारों को सरकार की ओर से रोज़गार दिया जाएगा, यह कभी भी संभव नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जब यह संभव नहीं है तो न यह हमको कहना चाहिए और न इनको कहना चाहिए। इसलिए मैं इतना ज़रूर कहना चाहता हूं कि आने वाले समय में हमारी कोशिश रहेगी कि हिमाचल प्रदेश में रोज़गार के ज्यादा-से-ज्यादा अवसर सरकारी क्षेत्र में और उसके साथ-साथ प्राइवेट सैक्टर में पैदा किए जाएं। इसके साथ ही, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोज़गार की व्यवस्था हम किस प्रकार से हिमाचल प्रदेश में कर सकते हैं, उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे कुछ लोग ज़िक्र कर रहे हैं कि मोदी जी की सरकार का इतना कार्यकाल हो गया लेकिन उसके बावजूद हिमाचल प्रदेश में कोई विशेष कार्य नहीं हुआ। साथ ही देश में भी कुछ विशेष नहीं हुआ। मैं तो इतना ही कहना चाहता हूं कि

चाहे कुछ हुआ या न हुआ, आपको एक बात तो स्वीकार करनी पड़ेगी कि एक और प्रदेश कांग्रेस मुक्त हुआ है और वह हिमाचल प्रदेश है। इसके साथ-साथ, अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को भी कहना चाहता हूं कि क्या यह हकीकत नहीं है कि AIIMS जैसा संस्थान हिमाचल प्रदेश की अपनी भूमि पर खड़ा होगा। हमारा पूरा हिमाचल प्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक कठिन क्षेत्र है। यहां पर हमें स्वास्थ्य की सबसे अच्छी सुविधाएं अपने घर-आंगन में, देव भूमि में यहीं पर मिलेंगी। मुझे लगता है कि इसके बावजूद भी अगर हम कहें कि कुछ नहीं किया तो ठीक नहीं है। हिमाचल के लिए यह AIIMS लगभग 1400 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार होगा। अध्यक्ष महोदय, अगर हम उससे और आगे बढ़ें तो हमें 69 राष्ट्रीय उच्च मार्ग हिमाचल के लिए मिले हैं।

जारी...गर्ग जी

12/01/2018/1240/RG/DC/1

मुख्य मंत्री----क्रमागत

और मुझे लगता है कि आज तक के इतिहास में ये सबसे अधिक हैं। उसके बावजूद भी यदि हम कहें कि केन्द्र से हमको कुछ नहीं मिला, तो मुझे लगता है कि इस सारी सोच को आज बदलने की आवश्यकता है। लेकिन मुझे इस बात का अफसोस है कि ये सारी बातें होने के बावजूद भी जिस तरह से पूर्व सरकार को इनकी डी.पी.आर्ज. बनाने में जिस गति से आगे बढ़ना चाहिए था, उसको जानबूझ करके धीमा किया गया, उसकी रफ्तार को धीमा किया गया। क्योंकि ऐसा सोचा गया कि कहीं अगर किसी नेशनल हाइवे का सर्वे शुरू हो गया और उसका काम शुरू हो गया या फोरलेन आदि का काम शुरू हो गया, तो जिक्र यह आएगा कि यह केन्द्र की सरकार थी और मोदी जी के नेतृत्व में जो केन्द्र में सरकार चल रही है इसका श्रेय उनको मिलेगा और विधान सभा के चुनाव में हमको आफत हो जाएगी, परेशानी हो जाएगी। यही सोच करके इसको धीमा चलाया गया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं आज इस बात को स्पष्ट करना चाहता हूं कि जितने भी प्रोजैक्ट्स हमारे केन्द्र सरकार के चाहे वे नेशनल हाइवे या फोरलेन के हैं और इसके अलावा दूसरे विभागों में तमाम हमारे जितने भी प्रोजैक्ट्स लंबित हैं, उनको

स्वीकृत किया जाएगा और जो स्वीकृत हैं उनको तेज गति से आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, हम इस बात से सहमत हैं कि हिमाचल प्रदेश के अपने सीमित संसाधन हैं। अगर हिमाचल प्रदेश को विकास की राह पर आगे बढ़ाना है, तो उसके लिए केन्द्र की मदद हमारे लिए लाज़मी है और यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि आज हिमाचल प्रदेश में हमारी पार्टी की सरकार है और केन्द्र में भी हमारे पार्टी की सरकार है। हम निश्चित रूप से उम्मीद कर रहे हैं कि इससे विकास की गति को तेज बढ़ाने में हमें बल और ताकत मिलेगी और हम आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, हमारे कुछ साथी कानून-व्यवस्था का जिक्र कर रहे थे, तो मैं उसमें कुछ ज्यादा नहीं कहना चाहता हूं। ये कह रहे हैं कि कानून-व्यवस्था का जिक्र महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में नहीं है अगर जिक्र होता, तो इन बातों का भी जिक्र होता जो हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है। हिमाचल प्रदेश जहां देवभूमि के नाम से जाना जाता है और पूरे देश में इस बात का जिक्र आता है कि अगर सबसे शांत प्रदेश कोई है जहां कानून-व्यवस्था की स्थिति अच्छी है, जहां क्राईम रेट दूसरे

12/01/2018/1240/RG/DC/2

प्रदेशों की तुलना में बहुत कम है, तो वह हिमाचल प्रदेश का जिक्र आता है। पिछले दौर में कुछ ऐसी घटनाएं यहां घटीं जिनका जिक्र करने से हमारा सिर शर्म से झुक जाता है, वह 'गुड़िया काण्ड' है जिसका श्री राकेश सिंघा जी जो सी.पी.एम. से चुनकर आए है, ने जिक्र किया। हम इस बात से सहमत हैं कि देवभूमि में इस प्रकार की घटना का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मामले में मैं बहुत तफ़सील में नहीं जाना चाहता क्योंकि यह मामला अभी तक जांच के दायरे में है और सी.बी.आई. इसकी जांच कर रही है इसलिए इसका ज्यादा जिक्र करना उचित नहीं है। लेकिन क्या यह घटना अपने आप में प्रश्नचिह्न खड़ा नहीं करती? इस मामले की जांच के लिए जो एस.आई.टी. का गठन हुआ था उस एस.आई.टी. की सारी-की-सारी टीम आज जेल के सलाखों के पीछे है। जो दोषी नहीं था उसको दोषी करार देने के साथ में उस सूरज की पुलिस कस्टडी में हत्या हो जाने

से बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? इस सारी घटना ने पूरे हिमाचल प्रदेश को विचलित किया है और इस घटना के कारण हमारे हिमाचल प्रदेश का नाम पूरी दुनिया में बदनाम हुआ है। क्या ऐसी परिस्थिति में हमें इन सारी चीजों को ठीक करने के लिए पुलिस बल पर विश्वास व्यक्त करने में कुछ समय लगेगा या नहीं? निश्चित रूप से इसमें हमें समय लगेगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि ऐसी घटनाएं आने वाले समय में घटित न हों, उसके लिए हमने अपने कैबिनेट में एक महत्वपूर्ण हैल्पलाईन 'गुड़िया' के नाम से हिमाचल प्रदेश में स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ-साथ 'होशियार हैल्पलाईन' भी है जिसका जिक्र कर दिया गया था,लेकिन वे सारी चीजें अभी तक शुरू नहीं हो पाई हैं। । ये दोनों हैल्पलाईन हम प्रदेश में शुरू करेंगे।_हमने सुनिश्चित किया है कि हिमाचल प्रदेश में पुलिस की तीन रेन्जिज हैं और

एम.एस. द्वारा जारी

12/01/2018/1245/MS/YK/1

मुख्य मंत्री जारी-----

और तीनों रेंजिज में महिला उत्पीड़न के सारे मामलों को मॉनिटर करने के लिए हम स्पैशल सैल की सी0एम0 ऑफिस से व्यवस्था करने वाले हैं। इसके साथ-साथ उसकी ए0टी0आर0 भी 48 घण्टे में हम सुनिश्चित करेंगे, यह मैं हिमाचल प्रदेश की जनता को अपनी सरकार की कमिटमैंट बताना चाहता हूं।

अध्यक्ष जी, मुझे इस बात को लेकर भी दुःख है कि जिस सूरज की पुलिस कस्टडी में हत्या हुई है वह बहुत ही गरीब परिवार से था और मजदूरी करता था। उनके परिवार को आज की तारीख में मुझे लगता है कि राहत देने की आवश्यकता है। यही उचित समय है इसलिए उनकी पत्नी तथा दो बच्चों को मैं 3 लाख रुपये सरकार की ओर से देने की घोषणा करता हूं। आने वाले समय में ऐसी घटनाएं न हों उसके लिए कठोर नियम तथा कानून-व्यवस्था की आवश्यकता रहेगी तो उसमें भी हम कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

इसके अलावा अध्यक्ष जी, हिमाचल प्रदेश में जहां विकास की दृष्टि से आगे बढ़ने की आवश्यकता है तो उसके लिए हमारी सरकार की यह कमिटमैंट है कि 5 साल के कार्यकाल के लिए फेजिज में अपने कुछ लक्ष्य निर्धारित करके हम आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं। हरेक विभाग के मंत्रियों और अधिकारियों से मेरी चर्चा हुई है कि हम नये इनीशिएटिव्ज क्या ले सकते हैं। इन इनीशिएटिव्ज के लिए मैंने कहा कि हम 100 दिनों का समय निर्धारित करेंगे और उन 100 दिनों में हम अपने-अपने विभाग में इन नये इनीशिएटिव्ज को लेकर काम करने की कोशिश करेंगे। हम हिमाचल प्रदेश में उस दृष्टि से कोशिश करेंगे कि इन इनीशिएटिव्ज के साथ काम की शुरुआत हो। चाहे सत्ता पक्ष है, चाहे विपक्ष है हमें सुझाव की दृष्टि से अगर कोई भी सुझाव देंगे तो उन सुझावों को भी हम ग्रहण करेंगे और उनके माध्यम से हम काम करने की कोशिश करेंगे।

अध्यक्ष जी, यहां पर विजन डॉक्यूमैंट का जिक्र आ रहा था। विजन डॉक्यूमैंट के बारे में मुझे केवल इतना ही कहना है कि उसको हमने सरकारी दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया है और जो भी बातें उसके अंतर्गत चुनाव के दिनों में कही हैं..., हमने एक बात तय की है। विजन डॉक्यूमैंट और घोषणा पत्र में मुझे लगता है कि जो हमारे सामने साथी बैठे हैं उनको स्पष्ट नहीं है। घोषणा पत्र होता है कि वह एक कमिटमैंट है और विजन डॉक्यूमैंट

12/01/2018/1245/MS/YK/2

होता है कि वह एक दिशा है विद लैस कमिटमैंट। -(व्यवधान)- तो उस दिशा में हम काम करेंगे।-(व्यवधान)- बिल्कुल सही दिशा में जाएंगे, आप चिन्ता मत कीजिए। तो मेरा कहना है कि सही दिशा में जाकर हम काम करने की कोशिश करेंगे।

अध्यक्ष जी, इसके साथ-साथ हमने पहली ही कैबिनेट की बैठक में एक और निर्णय लिया है। हम ग्रामीण क्षेत्रों में जब जाते थे तो जब हम वहां लोगों से मिलते थे तो वहां बहुत सारे लोग हमें पैंशन के लिए निवेदन करते थे कि हमें पैंशन नहीं मिल रही है, हमें पैंशन दीजिए। जब हम उनकी आयु पूछते थे तो जो 80 साल की उम्र के होते थे

उनके इन्कम क्राइटेरिया में छूट देकर सबको पैंशन देने का प्रावधान उसमें था लेकिन हम देख रहे थे कि काफी सारे लोग जो 80 वर्ष की आयु के नहीं होते थे, उसके बावजूद भी हमें जरूरी लगता था कि उनकी मदद होनी चाहिए। इसलिए पहली ही कैबिनेट की बैठक में हमने बुढ़ापा पैंशन के लिए 80 वर्ष की आयु सीमा को घटाकर 70 वर्ष कर दिया और इसमें इन्कम क्राइटेरिया कोई नहीं होगा। इस तरह हिमाचल प्रदेश में हमने अधिक-से-अधिक बुजुर्गों को बुढ़ापा पैंशन प्रदान करने की कोशिश की है। यह हमारी सरकार की कमिटमैंट है। हमने देखा है कि इन पैंशनर्ज की बहुत बड़ी तादाद हिमाचल प्रदेश में है। अध्यक्ष जी, जब जिन्दगी का अंतिम समय आता है उस वक्त कई बार बुजुर्गों को परिवार के लोग जिनमें बेटा-बेटी इत्यादि होते हैं उनको छोड़कर चले जाते हैं और उनकी सेवा नहीं करते हैं हालांकि ऐसी भावना नहीं होनी चाहिए लेकिन इस तरह की परिस्थितियां हैं। उसमें सरकार की ओर से मदद हो सके इस बात को सुनिश्चित करने के लिए हमने ऐसा निर्णय लिया।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि हिमाचल प्रदेश में जो हमारा गौवंश सड़कों पर है जिसका जिक्र आज से पहले एक बार नहीं बल्कि अनेकों बार हुआ और माननीय उच्च न्यायालय ने इस बात को लेकर आदेश भी दिए कि हर पंचायत में आप गौ-सदन बनाइए और सुनिश्चित कीजिए कि गायें सड़कों पर न मिलें।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

12.01.2018/1250/जेके/एचके/1

मुख्य मंत्रीः-----**जारी**----------

और वह गौ-सदन में ही मिले। पिछली सरकार में भी इस दिशा में चर्चा होती रही, विचार होता रहा लेकिन व्यवहारिक नहीं लग रहा था कि हर पंचायत में हम गौ-सदन बनाएं, लेकिन हमने एक केबिनैट सब कमेटी कान्स्टिच्यूट की है और उसके अन्तर्गत

हमने यह कहा कि हमारे जितने भी धार्मिक ट्रस्ट हैं, बहुत सारी संस्थाएं हैं, एन0जी0ओज़0 हैं, उन सबका सहयोग लेंगे और आवश्यक हुआ तो सरकार की तरफ से भी मदद करेंगे। जो हमारे पंचायतों में चुने हुए प्रतिनिधि हैं उनका भी सहयोग लेंगे। पंचायत के अन्तर्गत जो आवारा पशु सड़कों पर हैं हम उनके लिए एक-एक विधान सभा क्षेत्र में कम से कम एक जगह ऐसा स्थान तय करेंगे, एक या दो विधान सभा क्षेत्रों को मिला करके जो गौवंश सड़कों पर है, उनको वहां पर पहुंचा करके एक जगह रखा जाए ताकि इस प्रदेश के प्रति, अपने धर्म के प्रति और गाय को हम माँ मानते हैं, उस भाव के साथ काम कर सकें, उस दृष्टि से भी हमने यह निर्णय लिया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं और भी बात करना चाहता हूं। यहां पर भ्रष्टाचार का जिक्र आ रहा था, वन माफिया का जिक्र आ रहा था, शराब माफिया का जिक्र आ रहा था और खनन माफिया का जिक्र आ रहा था। अध्यक्ष महोदय, इसमें मैं विपक्ष से भी सहयोग चाहूंगा। माफिया का दौर खत्म होना चाहिए। हिमाचल जैसे देव भूमि में माफिया राज के लिए चाहे वह शराब माफिया है, चाहे ड्रग माफिया है, चाहे खनन माफिया है और चाहे वन माफिया है, इनके लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इस बात को हम सुनिश्चित करेंगे। अभी सारी बातों का हम जिक्र नहीं कर रहे हैं। इसलिए आप लोग सोचते हैं कि पता नहीं हम क्या करना चाहते हैं । आप जल्दी में जानना चाहते हैं लेकिन हम आप लोगों को सही समय पर बताएंगे कि हम क्या करने वाले हैं। आज की तारीख में बताना मुझे लगता है कि जल्दबाजी होगी। लेकिन मैं इतना जरूर कह

12.01.2018/1250/जेके/एचके/2

सकता हूं कि हमें आप लोगों का सहयोग चाहिए और निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश में

जहां भ्रष्टाचार की बात है उसके लिए तो कोई गुंजाईश नहीं होगी। माफिया राज भी समाप्त होगा और इस बात को भी सुनिश्चित करने के लिए मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि सरकार की ओर से इसमें कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर बहुत सारी बातों का जिक्र हमारे सब साथियों ने किया। बहुत सारी बातों का जिक्र करने के लिए अभी हमारा बजट सत्र भी आएगा और उसमें भी हम बातों को कहेंगे। हिमाचल प्रदेश प्रगति की राह पर आगे बढ़े इसके लिए हम पूरा सहयोग करें, ऐसी मैं कामना करता हूं। खासतौर से स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारे करने की जो भी आवश्यकता होगी, करेंगें। संस्थान खुले हैं लेकिन वहां पर सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। संस्थान खुले हैं लेकिन वहां पर पूरा स्टाफ ही नहीं है। यह कमी हम बहुत ज्यादा महसूस कर रहे हैं। मुझे लगता है कि एक्सपैंशन अच्छी तो लगती है, जो पूर्व सरकार ने खुला काम किया। मुझे लगा था कि आपकी दूरदृष्टि ठीक है लेकिन आपको अच्छी तरह से पता था कि आने वाले समय में हम आने वाले नहीं है इसलिए संस्थान खोलते जाओ और जब चलाने की जिम्मेदारी आएगी तो अगले आने वाली सरकार भुगतेगी। हम भुगतने के लिए भी तैयार हैं और यही सच्चाई है। संस्थान तो खोल दिए लेकिन उनको चलाने का तरीका नहीं ढूंढा गया। हमारे साथी भी यहां पर यही कह रहे थे कि कॉलेज खोले हुए 5-5 साल हो गए लेकिन अभी तक भी कॉलेज प्राइमरी स्कूल और हाई स्कूल की बिल्डिंग के दो कमरों में चल रहा है। मेरे विधान सभा क्षेत्र गाड़ागुसैन में कॉलेज है। वहां पर पांच साल से कॉलेज खुला है लेकिन वहां पर अभी तक स्ट्रैंथ डेढ़ सौ भी नहीं हो पाई है। मैं उसका विरोध नहीं कर रहा हूं लेकिन अगर कॉलेज खोला तो वहां पर आपको सुविधाएं देनी चाहिए थी, वहां पर बिल्डिंग का निर्माण होना चाहिए था तब वहां पर बच्चे आएंगे। अगर वहां पर आप लोगों ने प्रॉपर स्टाफ दिया होता तो वहां पर बच्चे आते। इसलिए मुझे लगता है कि इन सारी चीजों को ले करके जो भी करने की बातें होगी उन सारी चीजों में थोड़ा वक्त जरूर लगेगा लेकिन हम अच्छा करने की कोशिश करेंगे। हम इस प्रकार से एक्सपैंक्शन के लिए नहीं जाएंगे लेकिन जो उचित

12.01.2018/1250/जेके/एचके/3

होगा और जहां पर संस्थान खोलने की बात होगी वहां पर जरूर खोलेंगे लेकिन जहां संस्थान खोलेंगे उनको चलाने की उचित व्यवस्था भी करेंगे। इस बात को सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता रहेगी।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी-------

12.01.2018/1255/SS-HK/1

मुख्य मंत्री क्रमागतः

अध्यक्ष महोदय, बहुत सारी बातें हमारे साथियों ने जो दोनों पक्षों से कही थीं, मैंने उनका समावेश करनी की कोशिश की है। लेकिन अंत में मुझे एक बात ज़रूर कहनी है जोकि रह गई थी। मुख्य मंत्री राहत कोष के बारे में कहा गया। इस पर बहुत ज्यादा कहने की आवश्यकता नहीं थी जितना आप लोगों ने बोल दिया। अगर बोल ही दिया है तो मुझे लगता है कि मेरा दायित्व बनता है, जिम्मेदारी बनती है कि आपको सही वस्तुस्थिति बता दें। मुख्य मंत्री राहत कोष पूरे प्रदेश में एक समान रहनी चाहिए। एक समान का मतलब यह नहीं है कि वह प्रदेश में कहीं भी किसी भी जगह से एक समान आए। लेकिन अगर आप आंकड़ों पर नज़र मारेंगे तो उसके आबंटन में कुछ इलाकों पर विशेष कृपा हुई है। मैं उन सारी चीज़ों में जाना नहीं चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, यह

हकीकत है कि जब यह नयी सरकार बनी तो हमारे पास भी ऐसे मरीज़ आए जिनकी हमको लगता था कि तुरन्त मदद करनी चाहिए। ऐसे अनेकों मामले आए। जब मामले आए तो मैंने अधिकारियों से कहा कि इनकी मदद करनी है तो उन्होंने कहा कि सर वह तो ठीक है लेकिन इसके लिए धन नहीं है। माननीय सदस्य, राम लाल जी कह रहे थे कि 20 लाख की एफ0डी0 तोड़ने की नौबत नहीं आनी चाहिए। वह एक ऐसा बाँड होता है जो ऐसी सिचुऐशन में बिल्कुल सुरक्षित रखा जाए। सच्चाई यह है कि हिमाचल प्रदेश में चुनाव आचार संहिता लगी। आचार संहिता लगने के बाद सारी चीज़ों पर रोक होती है लेकिन उसके बावजूद जब चुनाव हो गए और चुनाव का परिणाम आने में समय का काफी अन्तर था। लगभग 1 महीना 10 दिन का समय अन्तराल था और उस समय सरकार की ओर से चुनाव आयोग को पत्र गया कि हमको मुख्य मंत्री राहत कोष से पैसा देने की इजाज़त हो। इलैक्शन कमिशन ने जवाब नहीं दिया। इजाज़त नहीं दी। लेकिन उसके बावजूद भी 75 लाख रुपया उन दिनों में भी दे दिया गया। अंत में जो आप कह रहे हैं कि कितना पैसा है, लगभग दो लाख रुपया मुख्य मंत्री राहत कोष में है। यह वर्तमान स्थिति है। उसके बाद अध्यक्ष महोदय हमारे पास कोई रास्ता नहीं था। हमने वस्तुस्थिति लोगों के सामने रखी। हमने ज्यादा नहीं बोला। जितने ये बोल गए, उतना नहीं बोला। हमने कहा कि ऐसी स्थिति रही है। फिर मैंने अपने साथियों और अधिकारियों के साथ

12.01.2018/1255/SS-HK/2

इसका ज़िक्र किया। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारी कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने कहा कि हम एक-एक लाख रुपया देंगे। कुछ लोगों ने दो लाख रुपया भी दिया है। महेन्द्र सिंह जी ने दो लाख रुपया दिया है। एक शुरूआत उस दिशा में हुई है। फिर हमने अपने विधायक दल के सब साथियों से भी ज़िक्र किया और उन्होंने भी कहा कि हम अपने एक महीने की बेसिक सैलरी मुख्य मंत्री राहत कोष में देंगे। उसके साथ-साथ जो पी0एस0यूज़0 हैं और जहां से भी हमको मुख्य मंत्री राहत कोष के लिए मदद मिल सकती है उसके लिए हमने ज़िक्र किया। मैंने निवेदन किया कि हमको फूल मत दीजिए, आप हमको हार मत दीजिए, जो मिठाई का डिब्बा गिफ्ट लेकर आते हैं वह मत दीजिए,

लेकिन आप मुख्य मंत्री राहत कोष में मदद करिये। मुझे इस बात की खुशी है कि पिछले तीन-चार दिनों से छोटा-छोटा अमाऊंट आते-आते एक अच्छा अमाऊंट मुख्य मंत्री राहत कोष में जमा हो रहा है ताकि उससे हम हिमाचल प्रदेश की सेवा कर सकें। यह हमारा ध्येय है। फिर उसके बाद उस तरफ (विपक्ष) के लोगों को सोचने और यह कहने की आवश्यकता क्यों हो रही है? यह नया नहीं हुआ। हम भी आलोचना करते थे। मैं आपको अभी भी कह रहा हूं कि आप भी करिये। अगर करते थे तो करिये। कौन रोक रहा है। खुलेमन से करिये। लेकिन हर बात को अनावश्यक रूप से इस दिशा में ले जाना मुझे लगता है कि वह उचित नहीं है। वह सचमुच में पीड़ादायक है।

अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि सारे विषयों पर चर्चा करने के पश्चात् इस माननीय सदन में मैंने उत्तर देने की कोशिश की है। उसके बावजूद भी अगर किसी की संतुष्टि नहीं हुई होगी तो आने वाले समय में अन्य दौर आयेंगे जब हम आपके बीच में होंगे। हमें आप सब साथियों का सहयोग चाहिए। मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि हिमाचल प्रदेश हम सब का है और हम सब का एक लक्ष्य है कि अगर हिमाचल प्रदेश में हमने विकास को गति देनी है, हिमाचल प्रदेश में खुशहाली लानी है तो

जारी श्रीमती के0एस0

12.01.2018/1300/केएस/वाईके/1

मुख्य मंत्री जारी-----

उस दिशा में हम सभी को आगे बढ़ना है। हिमाचल के सन्दर्भ में हमें यही कहना है कि प्रदेश का विकास हमारी प्राथमिकता है। स्वच्छ सरकार देना हमारी प्राथमिकता है। सारे माफिया का राज समाप्त करने का हमारा लक्ष्य है और इसमें हम सभी का सहयोग चाहेंगें। इन शब्दों के साथ मैं सभी माननीय सदस्यों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने बहुत रचनात्मक सुझाव भी दिए और बहुत अच्छी चर्चा इस माननीय सदन में हुई। माननीय राज्यपाल महोदय जी का अभिभाषण लम्बा है या छोटा है, उस भाव में न जा कर सभी

लोगों ने अपना कंट्रीब्यूशन सुझाव के रूप में और अपनी बात कहते हुए यहां पर दिया।

अध्यक्ष महोदय, मैं इस धन्यवाद प्रस्ताव जो हमारे माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी ने रखा और जिसका अनुसमर्थन श्री इन्द्र सिंह जी ने किया है, को सर्वसम्मति से पारित करें, ऐसी अपील करता हूं, निवेदन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आज इस सत्र का अन्तिम दिन है। लोहड़ी की भी आप सभी को शुभकामनाएं। कुछ दिन पहले ही नया साल शुरू हुआ है उसकी भी मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए हम सभी लोग कृतसंकल्प है । इसमें हम एक पॉज़िटिव एनर्जी के साथ, पॉज़िटिव ऐटिट्यूड के साथ कंट्रीब्यूट करें, सहयोग दें । इतनी बात कहते हुए अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

12.01.2018/1300/केएस/वाईके/2

अध्यक्षः धन्यवाद, माननीय मुख्य मंत्री जी।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, मुझे कुछ कहना है।

अध्यक्षः माननीय मुकेश जी इसमें वैसे कोई चर्चा नहीं होती। कोई स्पष्टीकरण आप चाहें तो बता दें।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने बतौर मुख्य मंत्री पहला जवाब दिया,मैं इनको बधाई देता हूं लेकिन कुछ बातें हैं जो स्पष्ट हो जानी चाहिए। एक तो इन्होंने कहा कि पिछले छः महीने में जो स्वास्थ्य या शिक्षा के संस्थान खोले गए हैं उनको किसको रखना है, किसको बन्द करना है उसके बारे में विचार किया जाएगा। तो मेरा आपसे आग्रह रहेगा कि हिमाचल प्रदेश बड़ा कठिन और दुर्गम क्षेत्र है। मुख्य मंत्री जी का इलाका तो बड़ा दुर्गम है। इस पचड़े में न पड़ें क्योंकि जैसे

अभी बिक्रम सिंह जी कह रहे थे कि मुझे कॉलेज के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा तो किसी संस्थान के लिए किसी को अदालतों के दरवाज़े न खटखटाने पड़े तो अच्छा रहेगा। दूसरे, आपने यहां पर वित्तीय स्थिति की चर्चा की। आपने अपने विधायकों को भी अफसरों से क्लास लगाकर उनको एजुकेट किया कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति क्या है और हिमाचल के इतिहास में यह भी शायद पहली दफा ही हुआ होगा। आप प्रधानमंत्री जी से मिले। खबर छपी कि आपने उनसे आग्रह किया है कि आप बेलआऊट पैकेज ले कर आ रहे हैं। वहां से आप पैसा ले कर आ रहे हैं तो उसकी यथास्थिति क्या थी जो आप प्रधान मंत्री जी से मिले, आपने पैसा मांगा और क्या आप कोई ऐसी नीति ला रहे हैं कि भविष्य में अब कर्ज नहीं लेना पड़ेगा? क्या अब प्रदेश सरकार कोई कर्ज नहीं लेगी और काम चलेगा? आपने 14वें वित्तायोग का भी जिक्र किया। आपने कहा कि प्रधान मंत्री जी ने बहुत पैसा दिया और हमने उसका धन्यवाद नहीं किया। मैं आपसे जानना चाहूंगा कि क्या हमें पैसा over & above मिला? या देश के अन्य राज्यों को जिस फार्मुले के तहत मिला या over and above

12.01.2018/1300/केएस/वाईके/3

पैसा मिला? इसका थोड़ा आप खुलासा कर दें ताकि जो आप धन्यवाद की बात करते हैं वह सामने आए। दूसरे आपने नेशनल हाईवेज़ की बात की। जो 63 नेशनल हाईवेज़ की आप बात कर रहे हैं आप हमें यह तो बता दें कि उन 63 नेशनल हाईवेज़ के लिए कितना पैसा प्रदेश में आया है और दूसरे क्या उनकी डी0पी0आर0 आपने बनानी है या दिल्ली वाले बना रहे हैं?

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी...

12.1.2018/1305/av//1

श्री मुकेश अग्निहोत्री------ **जारी**

और इसके बाद मैं आपको यह कहना चाहूंगा कि आपने यहां पर विज़न की बात की है। उस विज़न डाक्यूमैंट को दिन के उजाले में पेश तो कीजिए, उसको किस कोठरी में रखा हुआ है? वह हमारे सामने आ जाए, यह मेरा आपसे आग्रह है। धन्यवाद।

12.1.2018/1305/av//2

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री जी।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, परम्परा के अनुसार महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा होने के बाद उत्तर आता है।

अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी, अगर आप कुछ बोलना चाहते हैं तो बताएं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मुझे सिर्फ इतना कहना है कि विपक्ष के लोग थोड़ा धैर्य रखें। आप बहुत सारी चीजों को जानना चाह रहे हैं। आपको इनकी जानकारी उपलब्ध करवा दी जायेगी। हम केंद्र में मिले और स्वाभाविक रूप से प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री जी से भी मिले। अखबार में जो खबर छपी है उसमें बेलआउट पैकेज की बात की गई है। हमारी बात इस तरह से नहीं हुई है। हमने यह कहा है कि हमें आप खुले मन से सहयोग

दें। उसमें उन्होंने यह पूछा है कि सहयोग के क्षेत्र क्या-क्या हो सकते हैं और ऐसी सम्भावनाएं कहां-कहां हो सकती है; इन सारी चीजों को लेकर के आप बात कहें। उसमें जो किया जा सकता है, करेंगे। यहां पर जो 42 हजार करोड़ रुपये का जिक्र आ रहा है कि हिमाचल प्रदेश के लिए रैवन्यू डैफिसिट में मदद हुई है। वह विशेष मदद, मुझे लगता है कि इससे ज्यादा हिमाचल प्रदेश के लिए और क्या किया जा सकता था। इस छोटे से प्रदेश के लिए इतना सारा धन मिला। इसके अतिरिक्त आप नैशनल हाई-वेज के लिए डी0पी0आर0 की बात कह रहे हैं उसमें 62 डी0पी0आर0 बनानी है जिसके लिए प्रोफैशनल कनस्लटैंट को अंगेज किया जा रहा है। हमारा यही कहना है कि उसमें वक्त बहुत ज्यादा जाया कर दिया है। मैं यही कहना चाहता हूं कि हम इस प्रोसैस को स्पीडअप करेंगे। धन्यवाद।

12.1.2018/1305/av//3

अध्यक्ष : धन्यवाद।

अब मैं प्रस्ताव को सभा में मतदान हेतु प्रस्तुत करता हूं।

तो प्रश्न यह है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर निम्न शब्दों में उनकी सेवा में धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया जाए?

"इस सदन में एकत्रित सदस्य, माननीय राज्यपाल महोदय का दिनांक 10 जनवरी, 2018 को उन्हें सम्बोधित करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हैं"।

प्रस्ताव स्वीकार

हिमाचल प्रदेश तेरहवीं विधान सभा का प्रथम सत्र समाप्ति पर है। कल 13 तारीख को लोहड़ी का महापर्व है और 14 तारीख को मकर सक्रांति है जब सूर्य दक्षिणायन से

उत्तरायन की तरफ प्रस्थान करेंगे। इन दोनों पर्वों की दृष्टि से मैं सभी सदस्यों को और प्रदेशवासियों को बधाई देता हूं। इस सत्र में केवलमात्र 4 बैठकें हुईं। सभा में तेरहवीं विधान सभा के नव-निर्वाचित सदस्यों को सामयिक अध्यक्ष द्वारा शपथ दिलाई गई। तदोपरान्त सभा ने संविधान के अनुच्छेद 178 के अनुरूप जहां अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव किया वहीं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सारगर्भित चर्चा होने के उपरान्त उसे पारित किया गया।

चर्चा में कुल 20 माननीय सदस्यों ने भाग लिया और माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस चर्चा का उत्तर दिया। छोटे से सत्र में जो चर्चा हुई उसमें 333 मिनट सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया और लगभग 60 मिनट में माननीय मुख्य मंत्री जी ने इसका उत्तर दिया। सरकार द्वारा कुछ कागजात तथा दो अध्यादेश भी सभा पटल पर रखे गये। सभा की कार्यवाही संचालन में जो सहयोग मुझे दोनों पक्षों से मिला मैं उसके लिए अत्यन्त आभारी हूं।

श्री वर्मा द्वारा जारी

12-01-2018/1310/टीसीवी/एचके/1

अध्यक्ष .....जारी

मैं सदन के नेता श्री जय राम ठाकुर जी का ह्दय की गहराईयों से आभार व्यक्त करता हूं, वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी विधायक दल के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी तथा अन्य सभी मंत्रियों एवं सदस्यों का उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद करता हूं। मुझे आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी मुझे कार्यवाही को संचालित करने में इसी प्रकार का पूर्ण सहयोग दोनों पक्षों से मिलता रहेगा। इसी के साथ सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों तथा विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों/कर्मचारियों का इतनी कम अवधि में कार्यों को जिस प्रकार से संचालित करने के लिए सहयोग मिला, मैं उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं। मीडिया के सभी

साथियों ने भी अपने दायित्व का निर्वहन किया और यहां पधारे, उनका भी आभार व्यक्त करता हूं । इससे पूर्व कि मैं सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करूं, सभामण्डप में उपस्थित सभी से निवेदन है कि वे राष्ट्रगीत के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जायें।

(राष्ट्रगीत गाया गया)

(सभामण्डप में सभी राष्ट्रगीत के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हुए)

अब इस माननीय सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की जाती है।

धर्मशाला- 176215 **सुन्दर सिंह वर्मा,**
दिनांकः 12-01-2018 **सचिव।**

****